epaper.dehatsandesh.com

3 झिड़ी मेले में नटरंग प्रस्तुत करेगा बाबा जित्तो पर आधारित नाट्य शो

5 राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित: जितेश शर्मा कप्तान

8 कृषि का मशीनीकरण

मौसम जम्मू न्यूनतम 14 अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष 22, जम्मू तवी, अंक 271 जम्मू तवी, बुधवार 05 नवम्बर 2025 मूल्य- 3 रूपये (लेह) 4 रूपये पृष्ठ -8

उपराज्यपाल सिन्हा ने 10 दिवसीय वार्षिक झिड़ी मेले का किया उद्घाटन

जम्मू, 4 नवंबर । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके में 10 दिवसीय वार्षिक झिड़ी मेले का उद्घाटन किया। हर साल लगभग 10-12 लाख श्रद्धालु जिनमें मुख्य रूप से जम्मू क्षेत्र, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा से बाबा जित्तो के बलिदान को याद करने के लिए इस मेले में आते हैं जिन्होंने लगभग 500 साल पहले एक जमींदार की दमनकारी मांगों के विरोध में अपने प्राण त्याग दिए थे। उपराज्यपाल ने लोगों से निस्वार्थ सेवा का मार्ग अपनाने और 16वीं शताब्दी के किसान-संत बाबा जित्तो की परिकल्पना के अनुसार एक न्यायपूर्ण और समतावादी समाज के निर्माण की दिशा में काम करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। उपराज्यपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज मैंने जम्मू के मढ़ उप-मंडल में वार्षिक झिड़ी मेले का उद्घाटन किया। बाबा जित्तो और बुआ कौड़ी को नमन किया। एक तीर्थयात्री सामुदायिक भवन और चार मॉड्यूलर बस स्टॉप समर्पित किए और मढ़ में सीएसआर के तहत पहले इनडोर खेल परिसर की आधारशिला रखी। उन्होंने लोगों से बाबा जित्तो के समानता और सेवा के आदर्शों का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि हम सब मिलकर एक मजबूत, सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर जम्मू-कश्मीर का निर्माण कर सकते हैं। 4 से 13 नवंबर तक जिला प्रशासन के सहयोग से पर्यटन निदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए जा रहे इस मेले में भाग लेने के लिए जम्मू क्षेत्र, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा से सैकड़ों किसान और तीर्थयात्री पहले ही पहुँच चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के साथ-साथ कृषि और बागवानी विभागों ने स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाओं, पार्किंग, बिजली और पानी की आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पूरा सहयोग दिया है। कृषि विभाग की भागीदारी किसानों के ज्ञान, प्रदर्शन और नई तकनीकों व सरकारी योजनाओं से जुड़ाव को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में भी काम करती है, साथ ही बाबा जित्तो की चिरस्थायी विरासत को श्रद्धांजलि भी अर्पित करती है। न्होंने बताया कि पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के साथ सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। किंवदंती के अनुसार एक विनम्र किसान बाबा जित्तो ने एक अन्यायी जमींदार के शोषण के विरुद्ध अपने प्राण त्याग दिए थे। बाद में उनकी बेटी, बुआ कौड़ी ने भक्ति और शोक में उनकी चिता पर आत्मदाह कर लिया था। अधिकारियों ने बताया कि भक्त मंदिर से लगभग चार किलोमीटर दूर स्थित एक प्राकृतिक तालाब, बाबा-दा-तालाब में भी पारंपरिक डुबकी लगाते हैं, जिसके बारे में माना जाता है कि इसमें उपचारात्मक शक्तियाँ हैं।

" हम सब मिलकर एक मजबूत, सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर जम्मू-कश्मीर का निर्माण कर सकते हैं

कृषि निदेशक ने झिड़ी मेला 2025 में विभागीय स्टॉल का निरीक्षण किया

जम्मू, 4 नवंबर । कृषि उत्पादन एवं किसान कल्याण निदेशक, जम्मू, अनिल गुप्ता ने आज उद्घाटन हुए 10 दिवसीय ऐतिहासिक झिड़ी मेले में विभाग द्वारा स्थापित प्रदर्शनी स्टॉल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, अनिल गुप्ता ने विभागीय प्रदर्शनी क्षेत्र का विस्तृत दौरा किया और किसानों के कल्याण के लिए विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही सरकारी योजनाओं, नवीनतम कृषि तकनीकों और नवाचारों को दर्शाने वाली प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

उन्होंने अधिकारियों, क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों से बातचीत की। अधिकारियों ने उन्हें जैविक और प्राकृतिक खेती, जीआई-टैग उत्पादों, मशरूम की खेती, एकीकृत कीट प्रबंधन, मधुमक्खी पालन, संरक्षित खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और कृषि मशीनरी से संबंधित विषयगत प्रदर्शनियों के बारे में जानकारी दी। ये कार्यक्रम कृषि मशीनीकरण उप-मिशन एसएमएएम और किसान खिदमत घर केकेजी का हिस्सा हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, कृषि निदेशक ने कृषि क्षेत्र में नवीनतम सरकारी पहलों और तकनीकी प्रगति के बारे में कृषक समुदाय में जागरूकता फैलाने में ऐसी प्रदर्शनियों के महत्व पर ज़ोर दिया।

भारत तेजी से बढ़ती विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : राष्ट्रपति मुर्मु

नैनीताल, 04 नवंबर । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था विश्व में तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निरंतर प्रगति कर, इसके लिए केन्द्र सरकार कई नीतिगत कदम उठा रही है।

श्रीमती मुर्मु ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार के कदमों से युवाओं के लिये भी अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि इन अवसरों का लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं के प्रशिक्षण के लिये भी समुचित कदम उठाये जाने चाहिए, ताकि युवा उनका भरपूर उपयोग कर सकें।

राष्ट्रपति ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से कमाये धन को वंचित वर्ग और देश की सेवा के लिये दान करना चाहिए। यही सच्चा धर्म है। उन्होंने कहा, अन्न दानं परम दानं, विद्या दानमतः परम्। अन्नेन क्षणिका तृप्तिः यावज्जीवं च विद्यया।। अर्थात् विद्या दान अन्न दान से श्रेष्ठ दान है और उससे जीवन भर परम संतुष्टि मिलती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी देश की आधारशिला होती है। इसलिये शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिससे बौद्धिकता के साथ नैतिक बल और चरित्र बल मजबूत हों। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरकार को भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये देश के युवाओं की संकल्पशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिये विकसित राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें।

खबर संक्षेप

जम्मू-कश्मीर कोऑपरेटिव सेंट्रल लैंड डेवलपमेंट लिमिटेड के पूर्व एमडी को जालसाजी करने के आरोप में मिली सज़ा - सीबीके

श्रीनगर, 4 नवंबर । कश्मीर अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जम्मू-कश्मीर कोऑपरेटिव सेंट्रल लैंड डेवलपमेंट लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक मोहम्मद शफी बंदे के खिलाफ अपनी जन्मतिथि में धोखाधड़ी करके उसे सरकारी सेवा का कार्यकाल बढ़ाने के आरोप में बड़ी सजा दिलवाई है।

एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार यह मामला एक शिकायत से उपजा है जिसमें आरोप लगाया गया था कि बंदे ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र तैयार करके अपनी जन्मतिथि में जालसाजी की थी और उसे अपना वास्तविक जन्म वर्ष 1934 के बजाय 01.09.1939 दर्ज किया था।

कश्मीर अपराध शाखा द्वारा शुरू की गई एक विस्तृत जाँच ने हेरफेर की पुष्टि की और पाया कि बंदे की वास्तविक जन्मतिथि 26.06.1932 थी। जाँचकर्ताओं ने पाया कि आरोपी ने अवैध रूप से सात साल से अधिक समय तक सेवा में बने रहे जिसके परिणामस्वरूप राज्य के खजाने को गलत तरीके से वित्तीय लाभ और हानि हुई। जाँच के बाद श्रीनगर के सिटी जज की अदालत में एक आरोप पत्र दायर किया गया।

पूरी सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपी को रणबीर दंड संहिता (आरपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 471 (जाली दस्तावेजों को असली के रूप में इस्तेमाल करना) के तहत दोषी पाया। बंदे को प्रत्येक मामले में दो साल के साधारण कारावास और प्रत्येक अपराध के लिए 5,000 के जुर्माने की सजा सुनाई गई। अदालत ने निर्देश दिया कि सभी सजाएँ एक साथ चलेंगी।

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने इस फैसले को लोक सेवा में भ्रष्टाचार और हेराफेरी के खिलाफ एक कड़ा संदेश बताया। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह दोषसिद्धि शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी को बढ़ावा देने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। एजेंसी ने दोहराया कि वह ऐसे मामलों की पैरवी करने में दृढ़ है जो जनता के विश्वास को कम करते हैं और सरकारी खजाने को नुकसान पहुँचाते हैं।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी, अगले 12 घंटों तक बारिश जारी रहेगी

श्रीनगर, 4 नवंबर । जम्मू-कश्मीर के कई ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो रही है जिससे अगले 12 घंटों तक हल्की सी से मध्यम बारिश और बर्फबारी के साथ बारिश जारी रहने की संभावना है।

स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता फैजान आरिफ ने बताया कि शाम 6 बजे तक, राजदान टॉप में 2 इंच बर्फबारी दर्ज की गई जबकि सोनमर्ग, बालटाल और ज़ोजिला दर्रा में 1-2 सेमी बर्फबारी के साथ हल्की बर्फबारी हुई। फैजान ने कहा कि गुरेज घाटी में तुलैल में भी 1-2 सेमी बर्फबारी हुई और सिंथन टॉप, पीर की गली और गुलमर्ग में हल्की बर्फबारी देखी गई। अल्पकालिक पूर्वानुमान के बारे में बोलते हुए आरिफ़ ने कहा कि अगले 8-10 घंटों तक बारिश और बर्फबारी जारी रहने की संभावना है जिसके बाद वर्षा धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

आगे देखते हुए उन्होंने कहा कि कल से ज्यादातर शुष्क मौसम बने रहने की उम्मीद है और पूरे जम्मू-कश्मीर में अगले 10-15 दिनों तक मौसम जारी रहेगा।

आतंकियों की गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा : अमित शाह

अमित शाह ने किया बिहार को पूर्ण विकसित करने का वादा

पूर्वी चंपारण, 4 नवंबर । बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के चकिया में एनडीए की सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि चंपारण सत्याग्रह की भूमि है। इस भूमि से महात्मा गांधी और डॉ राजेंद्र प्रसाद ने अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल फूंका था।

अमित शाह ने कहा कि साढ़े पांच सौ साल पहले बाबर ने अयोध्या के राममंदिर को तोड़ा था। फिर मुगलों ने, अंग्रेजों ने, कांग्रेसियों ने और लालू ने राम मंदिर को अटका, भटका कर रखा। आपने जब दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया तो मोदी जी ने राममंदिर का शिलान्यास किया और प्राण प्रतिष्ठा भी कर दिया।

अमित शाह ने कहा कि सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में सीता माता के भव्य मंदिर निर्माण का साढ़े आठ सौ करोड़ से बनने वाले मंदिर का हमने शिलान्यास कर दिया। सीता माता मंदिर पूरे बिहार के समृद्धि का कारण बनने वाला है। लालू जी की जंगल राज रूप बदलकर आप के बीच आया है। आपने गलती किया तो फिर से अपहरण, फिरौती और खूनी जंगलराज वापस आएगा। नीतीश बाबू ने बीस साल में जंगल राज खत्म किया है। अब समय है नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को पूर्ण विकसित राज्य बनाने का। इस बार एक भी सीट नहीं बिगाड़ना, बारह की बारह से लालू और राहुल का सुपड़ा साफ कर देना है।

शाह ने हर जिले को एक इंजीनियरिंग और एक मेडिकल कॉलेज देने का वादा किया। कहा कि दो आइटी पार्क बना चुके हैं और तीन आइटी पार्क और बनाएंगे। हमने अब गड्ढे में भी सड़क बना दिए हैं। बिहार में डिफेंस कारिडोर बनाएंगे। जहां रक्षा उत्पाद की फैक्ट्रियां लगेंगी।

उन्होंने आपरेशन सिंदूर की चर्चा करते हुए कहा कि आतंकियों की गोली का जवाब गोली से दिया जाएगा। मोदी जी ने आतंकवाद और नक्सलवाद से देश को मुक्त किया है। उन्होंने कहा कि सीतामढ़ी से अयोध्या तक नई रेल लाईन बना कर वंदे भारत ट्रेन चलाएंगे।

जम्मू-कश्मीर में इस साल डेंगू के लगभग 2,900 मामले दर्ज

जम्मू तवी, 4 नवंबर । अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर में इस साल डेंगू के संक्रमण में वृद्धि देखी गई है और अब तक लगभग 2,900 पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने एक बार फिर जनता से मच्छर जनित इस बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए एहतियाती उपाय अपनाने की अपील की है। समाचार एजेंसी-कश्मीर न्यूज़ ऑब्ज़र्वर के पास उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश में अब तक 2,867 डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं। जम्मू 1,209 मामलों के साथ सबसे ज्यादा प्रभावित बना हुआ है, इसके बाद कठुआ 772, उधमपुर 399 और सांबा 160 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। मामले दर्ज करने वाले अन्य जिलों में रियासी (59), राजौरी (62), पुंछ (26), डोडा (58), रामबन (41) और किश्तवाड़ (12) शामिल हैं। कश्मीर संभाग में 28 मामले सामने आए हैं, जबकि जम्मू-कश्मीर के बाहर से 41 मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस साल 24,141 परीक्षण किए गए हैं। एक अधिकारी ने केएनओ को बताया, केवल 48 मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने की ज़रूरत पड़ी और उनमें से नौ का अभी भी इलाज चल रहा है। उन्होंने आगे बताया कि जम्मू-कश्मीर के एक निवासी की डेंगू से संबंधित जटिलताओं के कारण डीएमसी लुधियाना में मौत हो गई। अधिकारी ने ज़ोर देकर कहा कि वर्तमान में डेंगू के लिए कोई विशेष टीका या विशिष्ट एंटीवायरल थेरेपी उपलब्ध नहीं है। डेंगू को नियंत्रित करने का एकमात्र तरीका मच्छरों के प्रजनन को रोकना है। लोगों को अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई रखनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पानी जमा न हो। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि डेंगू जन स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बना हुआ है। डॉक्टरों ने कहा, एडीज़ एजिप्टी मच्छर साफ़ पानी के छोटे-छोटे संग्रहों - जैसे गमले, टब, टायर, ढक्कन, बाल्टी या बोतल में भी पनपते हैं। हर घर को ऐसे स्थानों की नियमित रूप से जाँच करनी चाहिए। उन्होंने लोगों को मच्छर भगाने वाली दवाओं का इस्तेमाल करने, पूरी बाजू के कपड़े पहनने और पानी रखने के बर्तनों को ढककर रखने की सलाह दी। डॉक्टरों ने आगे बताया कि डेंगू के मच्छर सुबह जल्दी और देर दोपहर में काटते हैं, इसलिए लोगों को दिन में आराम करते समय भी मच्छरदानी या खिड़की की जाली लगाने की सलाह दी जाती है।

विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में हुई ताज़ा बर्फबारी

गुलमर्ग, 4 नवंबर । विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में मंगलवार को ताज़ा बर्फबारी हुई जिससे अफ़रवात और मुख्य बाउल क्षेत्र सफ़ेद चादर से ढक गया। बर्फबारी ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला दी जो ठंड का आनंद ले रहे थे और सर्दियों के मनमोहक दृश्यों को कैद कर रहे थे।

पर्यटन जगत के लोगों ने बर्फबारी का स्वागत किया है और आने वाले सर्दियों के मौसम, खासकर स्कीइंग और अन्य बर्फीली साहसिक गतिविधियों के लिए एक जीवंत मौसम की उम्मीद जताई है। मौसम अधिकारियों के अनुसार आने वाले दिनों में कश्मीर के ऊँचाई वाले इलाकों में और बर्फबारी होने की उम्मीद है जिससे पर्यटकों और शीतकालीन खेलों के शौकीनों का उत्साह और बढ़ जाएगा।

मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड की प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

जम्मू, 4 नवंबर । मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) द्वारा क्रियान्वित की जा रही प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति और कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में मुख्य रूप से पर्वतमाला योजना के तहत रोपवे परियोजनाओं, कटरा में इंटर मॉडल स्टेशन (आईएमएस) और जम्मू में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो क्षेत्र में कनेक्टिविटी, रसद दक्षता और पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग; सीईओ, एनएचएलएमएल; आयुक्त सचिव, आवास एवं शहरी विकास विभाग (एचएंडयूडीडी); आयुक्त सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य (आईएंडसी); संभागीय आयुक्त जम्मू/कश्मीर; महानिदेशक, बजट; निदेशक, उद्योग जम्मू; एनएचएलएमएल के प्रतिनिधि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रोपवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए, मुख्य सचिव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन स्थायी परिवहन समाधानों के माध्यम से प्रमुख पर्यटन स्थलों तक बेहतर कनेक्टिविटी को प्राथमिकता दे रहा है। बैठक में बताया गया कि एनएचएलएमएल द्वारा सात प्राथमिकता वाली सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने हेतु बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं, जिनकी बोली नवंबर 2025 तक प्रस्तुत की जानी है। इन रोपवे परियोजनाओं में सोनमर्ग-थजवास, दोधपथरी-दिस्कल, भद्रवाह-सियोझाडार, बालटाल-अमरनाथ, पहलगाम-अमरनाथ, नासरी सुरंग-सनासर और शंकराचार्य रोपवे परियोजना शामिल हैं।

कश्मीर में फिल्म शूटिंग फिर से शुरू

श्रीनगर, 4 नवंबर । कश्मीर के पर्यटन और फिल्म उद्योग के लिए एक सकारात्मक खबर यह है कि इस साल की शुरुआत में हुए दुखद पहलगाम आतंकी हमले के छह महीने बाद घाटी में शूटिंग गतिविधियाँ फिर से शुरू हो गई हैं। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के मनोरम पहलगाम पर्यटन स्थल में एक तेलुगु फिल्म दल ने शूटिंग शुरू कर दी है जिससे फिल्म निर्माताओं और पर्यटन हितधारकों के बीच विश्वास का संचार हुआ है। फिल्म परियोजनाओं के फिर से शुरू होने को क्षेत्र में सामान्य स्थिति और आशावाद के नए संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

आगामी कॉमेडी फिल्म का निर्देशन विमल कृष्ण कर रहे हैं जो जैसी और लेडीज़ एंड जेंटलमैन जैसी लोकप्रिय तेलुगु फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने को वैश्विक दृष्टिकोण बनाने की दिशा में काम करे इजरायल और भारत: जयशंकर

नयी दिल्ली 04 नवम्बर । विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने इजरायल के साथ संबंधों को परस्पर विश्वास पर आधारित बताते हुए गाजा शांति योजना का समर्थन किया है और कहा है कि आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहे दोनों देशों को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के वैश्विक दृष्टिकोण को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए।

डा. जयशंकर ने भारत की यात्रा पर आये इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार के साथ मंगलवार को यहां वार्ता से पहले अपने प्रारंभिक वक्तव्य में यह बात कही।

विदेश मंत्री ने बातचीत के बाद श्री सार के साथ बैठक को सार्थक बताते हुए कहा कि उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर सार्थक चर्चा की।

डा. जयशंकर ने कहा, आज नई दिल्ली में इज़राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार के साथ एक शानदार बैठक हुई। विभिन्न क्षेत्रों में हमारी रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने पर सार्थक चर्चा हुई। आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति हमारी शून्य सहिष्णुता की पुष्टि की। क्षेत्र के विकास, गाजा शांति योजना और एक स्थायी समाधान के निर्माण के प्रयासों पर इज़राइली दृष्टिकोण साझा करने के लिए विदेश मंत्री सार की सराहना करता हूं। बहुपक्षीय मंचों पर हमारे सहयोग पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के बीच प्रशिक्षण पर समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान का भी साक्षी रहा।

विदेश मंत्री ने इजरायली नेता का उनकी पहली भारत यात्रा पर स्वागत करते हुए कहा कि भारत और इज़राइल के बीच एक रणनीतिक साझेदारी है और दोनों कठिन समय में एक साथ खड़े रहे हैं। दोनों देशों ने परस्पर अटूट विश्वास के आधार पर एक रिश्ता बनाया है।

डा. जयशंकर ने आतंकवाद को भारत और इजरायल के लिए साझा चुनौती बताते हुए कहा कि हमें आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने के वैश्विक दृष्टिकोण की दिशा में मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा , हमारे दोनों देश आतंकवाद की एक विशेष चुनौती का सामना कर रहे हैं। यह आवश्यक है कि हम आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति शून्य-सहिष्णुता के वैश्विक दृष्टिकोण को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करें।

मेंढर सेक्टर के गाँव के खेत से एक ड्रोन बरामद

मेंढर, 4 नवंबर । मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर के एक गाँव के खेत से एक ड्रोन बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन को स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने सखी मैदान गाँव से बरामद किया जो नियंत्रण रेखा (एलओसी) से लगभग छह किलोमीटर की हवाई दूरी पर है। खुले मैदान में ड्रोन जैसी वस्तु की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद एसओजी टीम गाँव पहुँची। अधिकारी ने बताया कि बाद में ड्रोन को जब्त कर लिया गया और पुलिस ने ड्रोन के स्रोत की जाँच शुरू कर दी है।

जम्मू-कश्मीर के कॉलेजों में शिक्षकों की कमी से शिक्षा पर बुरा असर

जम्मू तवी, 4 नवंबर । जम्मू और कश्मीर उच्च शिक्षा विभाग (जेकेएचईडी) शिक्षण कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहा है - जिससे क्षेत्र के कॉलेजों में शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू और कश्मीर के कॉलेजों को कार्यभार को पूरा करने और नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अधिक स्थायी शिक्षण कर्मचारियों की आवश्यकता है। अधिकारी ने कहा, एनईपी के दिशा को पूरा करने के लिए कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की सख्त आवश्यकता है।

अधिकारी ने कहा, फ़स्थायी संकाय के अलावा हर सत्र में लगभग 2,000 शैक्षणिक व्यवस्था संकाय नियुक्त किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कर्मचारियों की लगातार कमी को दूर करने के लिए रिक्तियों को भरने हेतु पदों के सृजन की आवश्यकता है। अगले दस वर्षों के रोडमैप की जानकारी देते हुए, अधिकारी ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग छात्रों को बहु-विषयक शिक्षा प्रदान करने के लिए कॉलेजों को समूहीकृत करने की योजना बना रहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि विभाग चुनिंदा मौजूदा स्वायत्त कॉलेजों को बहु-विषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू) का दर्जा देने पर विचार कर रहा है। अधिकारी ने कहा, 2036 तक सभी कॉलेजों को स्वायत्त बना दिया जाएगा ताकि उन संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता में और सुधार हो सके। अधिकारी ने कहा, जेकेएचईडी राष्ट्रीय शिक्षुता योजना (एनएटीएस) को एनईपी संरचना में शामिल कर रहा है।

आनुवांशिक होती है छरहरी काया

आपकी दोस्त जो चाहे और जब चाहे जी भरकर खा सकती है। बावजूद इसके वह छरहरी भी बनी रह सकती है, लेकिन चाकलेट की एक बाइट खाकर ही आप के वजन में इजाफा हो जाता है। कारण, छरहरा होना भी एक आनुवांशिक खासियत है।

जर्मनी के अध्ययनकर्ताओं ने कद के लिहाज से महिलाओं के वजन और उनके जीन्स में वैज्ञानिक संबंध खोजने का दावा किया है। वैज्ञानिकों की टीम इस नतीजे पर पहुंची है कि मुस्कान और आंखों की रंगत की तरह छरहरापन भी अपने आपमें आनुवांशिक देन है। अध्ययन के नतीजों को दो खबरों के तौर पर बांटा है- बुरी खबर और अच्छी खबर। बुरी खबर यह कि वजन सहित शारीरिक बनावट की ज्यादातर विशेषताएं आनुवांशिक आधारित हैं। अच्छी खबर यह है कि महिलाओं के लिए आनुवांशिक आधार पर शारीरिक गठन के खिलाफ जाने, इसके लिए कुछ करने के अवसर अब भी बरकरार हैं।

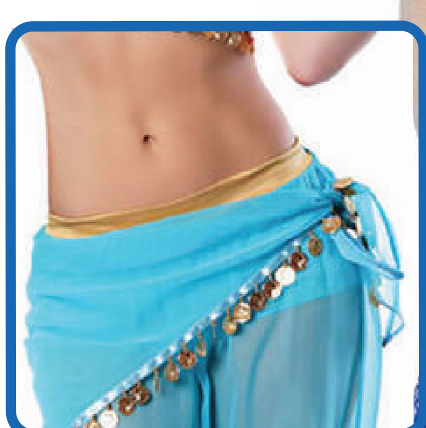

अभी तक वैज्ञानिक इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं थे कि परिवेशीय और आनुवांशिक पहलू महिलाओं की कद-काठी की संरचना में किस हद तक भूमिका निभाते हैं। वैज्ञानिकों द्वारा एक अतिरिक्त शोध को भी अंजाम दिया गया है। यह परीक्षण एक न एक दिन महिलाओं के वजन में कमी के रास्ते खोजने में मददगार साबित होगा।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि वजन कम करने को लेकर महिलाओं को यह बात जरूर मालूम होनी चाहिए कि अपने शरीर के वजन को नियंत्रित करने के लिए उन्हें करना क्या चाहिए, खासकर जब उम्र अपना असर दिखाने लगे। बढ़ती उम्र के साथ वजन कम होने की संभावना भी कम होती जाती है, ऐसे में बहुत अधिक उम्मीद पालना खुद को परेशानी में डालना होगा।

हफ्ते में पाएं लाइट कॉम्प्लेक्शन

डार्क स्पॉट, फ्रेकल्स और बेजान त्वचा! मौसम के बदलाव के कारण त्वचा ने न जाने ऐसी कितनी समस्याएं झेली होंगी। लेकिन अब समय है उनसे निपटने और खोई हुई रंगत वापस पाने का।

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइयां, रूखी त्वचा और डार्क स्पॉट साफनजर आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफऔर गोरी नहीं रह जाती। उस पर सीजन का असर भी होता है। विंटर में सनस्क्रीन क्रीम शायद ही कोई इस्तेमाल करता है। साथ ही खुली ठंडी हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं। कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खास तौर पर इनका असर होता है। इसलिए अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट अंबिका पिल्लै की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए। सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉयस्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, नुकसानदेह यूवी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

एक्सफोलिएट

हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। 2 टेबल स्पून ओटमील में 2 टेबल स्पून ब्राउन शुगर व 1/4 कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं।

मास्क पॉवर

गोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें-चंदन पाउडर+नीबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ब्लिंग फुटवेयर है राइट चॉइस

डार्क स्पॉट, फ्रेकल्स और बेजान त्वचा! मौसम के बदलाव के कारण त्वचा ने न जाने ऐसी कितनी समस्याएं झेली होंगी। लेकिन अब समय है उनसे निपटने और खोई हुई रंगत वापस पाने का।

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइयां, रूखी त्वचा और डार्क स्पॉट साफनजर आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफऔर

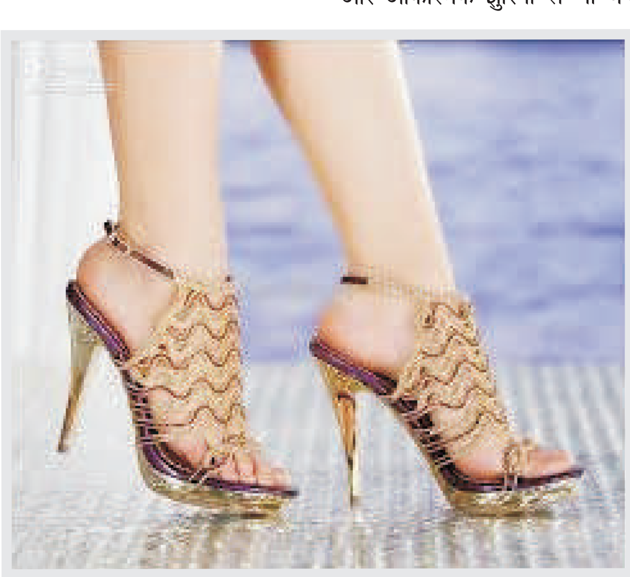

गोरी नहीं रह जाती। उस पर सीजन का असर भी होता है। विंटर में सनस्क्रीन क्रीम शायद ही कोई इस्तेमाल करता है। साथ ही खुली ठंडी हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं। कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खास तौर पर इनका असर होता है। इसलिए अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट अंबिका पिल्लै की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए।

सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉयस्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, नुकसानदेह यूवी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

एक्सफोलिएटहफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। 2 टेबल स्पून ओटमील में 2 टेबल स्पून ब्राउन शुगर व 1/4 कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं।

मास्क पॉवरगोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें-चंदन पाउडर+नीबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल स्कर्ट

इन दिनों फैशन में टॉप पर है पिण्डली (काव्स) तक टेपर करती हुई सेमी फिट स्ट्रेट कट मिडी। जहां इसका सेमी फिट स्टाइल बनाता है इसे स्मार्ट व एलीगेंट वहीं ये आरामदायक भी है। सेमी फिट यानी हल्की लूज फिटिंग की होने के कारण इसे पहनने पर मूवमेंट में आसानी रहती है। वहीं इसे पहनने पर आप न सिर्फ स्लिम लगती हैं, बल्कि आपकी लंबाई भी अधिक प्रतीत होती है। इस मिडी में स्टाइल के विकल्पों की कोई कमी नहीं है। पूरी मिडी में हो सीकुईन का काम तो वेस्टर्न वेयर में इससे बढ़कर पार्टी वेयर ड्रेस कुछ नहीं। वहींप्रिंटेड व प्लेन कलर्स में भी मौजूद हैं ढेरों वैराइटी। इसके साथ ही डेनिम व स्ट्रैच कपड़े में यह स्टूडेंट्स में भी पॉपुलर हो रही है। अच्छी बात यह कि इसके साथ टॉप और एक्सेसरीज के परफेक्ट मिक्स एंड मैच के जरिए आप फॉर्मल और कैजुअल दोनों लुक हासिल कर सकती हैं। अगर चाहिए कैजुअल लुक तो सेमी फिट स्ट्रेट कट मिडी के साथ मैच करें हल्की लूज फिटिंग के ब्लाउज। वहीं हासिल करना है ऑफिस लुक तो इसके संग शर्ट पहन सकती हैं। इसी प्रकार एक्सेसरीज की बात करें तो कैजुअल लुक को कांप्लीमेंट करेंगे फ्लैट जूते, चंकी ब्रेसलेट और ब्रॉडेड रिस्ट वॉच जबकि फॉर्मल लुक को कंप्लीट करेगी हाई हील फुटवेयर, खूबसूरत कफ या एलीगेंट रिस्ट वॉच। स्ट्रेट कट सेमी फिट स्टाइलिश मिडी की इन्हीं खासियतों की वजह से यह वेस्टर्न वेयर इन दिनों कंगना रनौत, दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा सहित अनेक बॉलीवुड अभिनेत्रियों की पहली पसंद बन गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

पुलिस ने चोरी का मामला सुलझाया, सुनार समेत तीन गिरफ्तार, 1.10 लाख नकद और सोना बरामद

जम्मू, 4 नवंबर (हि.स.)। जम्मू पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए पूजा कॉलोनी, लोअर ठठेर में दर्ज चोरी के एक मामले को घटना के कुछ ही दिनों के भीतर सुलझा लिया है। आरोपी दरवाज़े का ताला तोड़कर एक घर में घुसे थे और नकदी व सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए थे।

शिकायत के बाद, दोमाना पुलिस स्टेशन में धारा 331(3)/305/112/317 बीएनएस के तहत एफआईआर संख्या 224/2025 दर्ज की गई और तुरंत जाँच शुरू कर दी गई।

तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस चौकी चिनौर की पुलिस टीम ने घटनास्थल को सुरक्षित रखा और आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज की गहन जाँच की। तकनीकी और क्षेत्रीय जाँच के आधार पर, अपराध के दौरान आरोपियों द्वारा अपनाए गए रास्ते की पहचान की गई।

लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया:-

राज करण पुत्र यश पॉल, निवासी नारदानी, बन तालाब, जम्मू और भादर अली, पुत्र शेर मोहम्मद, निवासी केरन, बन तालाब जम्मू थे।

लगातार पूछताछ करने पर आरोपी भादर अली ने अपराध में अपनी संलिप्तता का खुलासा किया जिसके आधार पर 1.10 लाख नकद और दो सोने की बालियाँ बरामद की गईं। पुलिस ने चोरी की संपत्ति प्राप्त करने में संलिप्तता के आरोप में जम्मू के पलौरा निवासी राजिंदर कुमार पुरी, पुत्र स्वर्गीय जवाहर लाल को भी गिरफ्तार किया।

किश्तवाड़ विधायक से मुलाकात कर संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने पर चर्चा

जम्मू, 4 नवंबर (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट, रायपुर ठठर (जम्मू) के अध्यक्ष एवं राज्य पुरस्कार प्राप्त महंत रोहित शास्त्री ने आज किश्तवाड़ की विधायक शगुन परिहार से सौजन्य भेंट की।

इस अवसर पर महंत शास्त्री ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर प्रकाशित अभिनंदन ग्रंथ सहित ट्रस्ट द्वारा तैयार वैदिक, ज्योतिष एवं संस्कृत विषयक पुस्तकों का एक सेट विधायक को भेंट किया।

भेंटवार्ता के दौरान महंत शास्त्री ने शगुन परिहार द्वारा देववाणी संस्कृत में शपथ ग्रहण किए जाने के निर्णय की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश में संस्कृत और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान का संदेश देती है। उनके अनुसार, इस तरह के कदम युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

विधायक शगुन परिहार ने इस अवसर पर कहा कि संस्कृत भारत की पहचान और सांस्कृतिक आत्मा है, जिसका संरक्षण समाज के हर वर्ग का दायित्व है।

उन्होंने ट्रस्ट द्वारा संस्कृत प्रचार-प्रसार और वैदिक अध्ययन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव को मजबूत करते हैं।

महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि ट्रस्ट भविष्य में भी जनजागरण और शिक्षा के माध्यम से संस्कृत एवं वैदिक ज्ञान के प्रसार के लिए अपने प्रयास जारी रखेगा।

झिड़ी मेले में नटरंग प्रस्तुत करेगा बावा जित्तो पर आधारित नाट्य शो

जम्मू, 4 नवंबर (हि.स.)। झिड़ी मेला-2025 के अवसर पर प्रसिद्ध सांस्कृतिक संस्था नटरंग 6 और 7 नवम्बर को झिड़ी के मुख्य मंच पर डोगरा लोक नायक बावा जित्तो के सर्वोच्च बलिदान पर आधारित एक विशाल नाट्य प्रस्तुति का आयोजन करने जा रही है। दोनों दिनों यह नाट्य शो शाम 7 बजे से प्रारंभ होगा।

पद्मश्री बलवंत ठाकुर के निर्देशन में तैयार यह प्रस्तुति नटरंग की 25 वर्ष पुरानी परंपरा का हिस्सा है, जिसे देखने हर वर्ष हजारों श्रद्धालु और कला प्रेमी जुटते हैं। जिला प्रशासन जम्मू द्वारा समर्थित यह शो दर्शकों को छह सौ वर्ष पुरानी उस गाथा से रूबरू कराएगा, जिसने डोगरा संस्कृति की आत्मा को सदियों तक जीवित रखा है।

मीडिया से बातचीत में बलवंत ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष के नाटक में जम्मू के रंगमंच, टेलीविजन और फिल्मों के नामचीन कलाकार भाग ले रहे हैं। बावा जित्तो की भूमिका अरविंद आनंद निभा रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय अकादमी पुरस्कार विजेता अनिल टिक्कू मल्ली का किरदार निभाएंगे। इनके साथ नीरज कांत, मोहम्मद यासीन, शिवम सिंह, मीनाक्षी भगत और प्रियल अशोक गुप्ता जैसे प्रतिभाशाली कलाकार मंच पर नजर आएंगे।

बलवंत ठाकुर ने जिला विकास आयुक्त जम्मू राकेश मिन्हास और मेला अधिकारी पल्लवी मिश्रा का नटरंग को सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्होंने कहा कि इस नाटक का उद्देश्य झिड़ी गांव को एक वैश्विक सांस्कृतिक स्थल के रूप में स्थापित करना है। बावा जित्तो की यह लोककथा भूमिहीन किसानों के शोषण और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रतीक है, जो आज भी समाज को न्याय और त्याग का संदेश देती है।

एनएमसी अध्यक्ष ने 8वें वेतन आयोग से डीए विलय और अंतरिम राहत की मांग की

जम्मू, 4 नवंबर (हि.स.)। नेशनल मजदूर कांफ्रेंस (एनएमसी) के अध्यक्ष सुभाष शास्त्री ने मंगलवार को 8वें वेतन आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजन प्रकाश देसाई से आग्रह किया कि वे केंद्र सरकार को 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते (डीए) के विलय और 20 प्रतिशत अंतरिम राहत प्रदान करने की सिफारिश करें। यह राहत केंद्र और सभी राज्य सरकारों के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को आयोग की अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक दी जानी चाहिए। शास्त्री ने आयोग के अध्यक्ष को भेजे ज्ञापन में कहा कि बढ़ती महंगाई का असर सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों पर भी समान रूप से पड़ रहा है। रोजमर्रा की वस्तुओं की ऊंची कीमतों के कारण उन्हें अपनी बुनियादी आवश्यकताएं पूरी करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस ने 4 ड्रग तस्करों को किया गिरफ्तार, प्रतिबंधित पदार्थ बरामद

पुलवामा, 4 नवंबर (हि.स.)। मादक पदार्थों की तस्करी और मादक पदार्थों के सेवन पर अपनी निरंतर कार्रवाई जारी रखते हुए पुलिस ने पुलवामा और शोपियां में चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए है।

पुलवामा में गुड्डरा क्रॉसिंग पर नाका चेकिंग के दौरान एक पुलिस दल ने नायलॉन बैग ले जा रहे दो व्यक्तियों को रोका। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से लगभग 7 किलोग्राम अफीम का भूसा बरामद किया गया।

उनकी पहचान मोहम्मद अशरफ नाइक पुत्र अहमद नाइक निवासी घाट गुलज़ारपोरा और अब्दुल क्यूम मीर पुत्र वली मोहम्मद मीर निवासी गुड्डरा पुलवामा के रूप में हुई है। सिंगो नरबल में एक अन्य अभियान में पुलिस ने चरस जैसा पदार्थ (वजन 77.5 ग्राम) ले जा रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान इश्फाक अहमद हाफिज पुत्र मोहम्मद अशरफ हाफिज निवासी प्रिचो पुलवामा के रूप में हुई है।

इसी तरह शोपियां में हेफ़ कुरी में स्थापित एक चौकी पर ज़ैनपोरा पुलिस स्टेशन के एक पुलिस दल ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका जिसकी पहचान तारिक अहमद शेख निवासी हेफ़ ज़ैनपोरा के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से 3,600 किलोग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद हुआ।

उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस स्टेशन ले जाया गया है जहाँ वह हिरासत में है।

तदनुसार संबंधित पुलिस थानों में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं और आगे की जाँच शुरू कर दी गई है।

राजौरी में मिनीबस दुर्घटना में स्कूली छात्रों सहित 16 लोग घायल

राजौरी, 4 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-राजौरी-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को ठंडीकस्सी इलाके में एक मिनीबस दुर्घटना में स्कूली छात्रों सहित कम से कम 16 लोग घायल हो गए हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वाहन अज्ञात परिस्थितियों में सड़क से फिसल गया जिससे कई यात्री घायल हो गए। स्थानीय निवासी और पुलिस बचाव कार्य में सहायता के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे। सूत्रों ने बताया कि कम से कम 16 घायलों को उन्नत उपचार के लिए राजौरी के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) रेफर किया गया है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और आगे की जाँच शुरू कर दी है।

राजपुरा, कनाचक में हथियारों से जानलेवा हमला करने वाले दो कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

जम्मू, 4 नवंबर (हि.स.)। कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कनाचक पुलिस ने 25 अक्टूबर को राजपुरा के रॉयल्टी पॉइंट पर धारदार हथियार से गर्खल निवासी शाम सिंह पर जानलेवा हमले में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अरुण शर्मा पुत्र अशोक कुमार निवासी वार्ड नंबर 01, तहसील भलवाल, जिला जम्मू व साहिल पुत्र देवी दयाल, निवासी मालपुर टीसीपी, तहसील भलवाल, जिला जम्मू रूप में हुई है।

घटना के बाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109/115(2)/191(2)/352/351(2) और शस्त्र अधिनियम की धारा 4/25 के तहत कनाचक पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 152/2025 दर्ज की गई। अपराध के बाद से दोनों आरोपी फरार थे।

नगरोटा गांव में स्थापित होने जा रही रेड कैटेगरी सीमेंट इकाई के विरोध में प्रदर्शन

कठुआ, 04 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के नगरोटा गांव में स्थानीय निवासियों ने सीमेंट इकाई की स्थापना के विरोध में प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि इससे पर्यावरण और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

प्रदर्शन का नेतृत्व बरावाल के पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम सिंह पोली ने किया।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल थे। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र में पहले से ही कई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो चुकी हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है। उनका कहना है कि सीमेंट इकाई की स्थापना से स्थिति और भी खराब हो जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर सीमेंट इकाई की स्थापना को रोका नहीं गया, तो वे उग्र प्रदर्शन करेंगे।

उनका कहना है कि वे अपनी सेहत और आजीविका के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। प्रदर्शन में शामिल किसानों का कहना है कि नगरोटा गांव की भूमि अत्यंत उपजाऊ है, जो वर्षों से उज्ज नाला और 1985 से रावी नहर से सिंचित होती रही है। यह भूमि न केवल खाद्य सुरक्षा में योगदान देती है, बल्कि स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका का मुख्य स्रोत भी है। किसानों का कहना है कि इस भूमि पर औद्योगिक इकाई स्थापित करना उनके पुश्तैनी पेशे और आर्थिक स्थिरता को खतरे में डाल देगा। उन्होंने चेताया कि रेड कैटेगरी की औद्योगिक इकाइयों से क्षेत्र में जल और वायु प्रदूषण बढ़ेगा, जिससे न केवल खेती प्रभावित होगी बल्कि स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने मांग न पूरी होने पर व्यापक जनआंदोलन शुरू किए जाने की चेतावनी दी है।

मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत एक तस्कर गिरफ्तार, हेरोइन बरामद

जम्मू, 4 नवंबर (हि.स.)। क्षेत्र में मादक पदार्थों के बढ़ते खतरे पर लगाम लगाने के लिए एक दृढ़ और रणनीतिक कदम उठाते हुए मीरां साहिब पुलिस स्टेशन ने एक ज्ञात मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार करके और भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ जब्त करके एक और सफलता हासिल की है। यह गिरफ्तारी मादक पदार्थों के व्यापार को जड़ से उखाड़ फेंकने और समुदाय को इसके हानिकारक प्रभाव से बचाने के लिए पुलिस विभाग के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है। मीरां साहिब पुलिस स्टेशन की एक सतर्क टीम के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के परिणामस्वरूप मुराद अली पुत्र नेक आलम निवासी कड़याल, आर.एस.पुरा, जिला जम्मू को टिंडे कलां से गिरफ्तार किया गया और उसके कब्जे से लगभग 29.60 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। यह क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रही कार्रवाई में एक उल्लेखनीय बरामदगी है। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8, 21 और 22 के तहत एफआईआर संख्या 143/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है और विस्तृत जाँच शुरू कर दी गई है।

आर्मी पब्लिक स्कूल ने स्कूल परिसर में तीन दिवसीय स्काउट्स एवं गाइड्स शिविर का किया आयोजन

जम्मू, 4 नवंबर (हि.स.)। आर्मी पब्लिक स्कूल दमाना ने स्कूल परिसर में 01, 03 और 04 नवंबर 2025 को तीन दिवसीय स्काउट्स एवं गाइड्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। शिविर की शुरुआत स्काउट एवं गाइड प्रार्थना और प्रतिज्ञा के साथ हुई, जो सीखने, अनुशासन और टीम वर्क से भरपूर तीन दिनों के प्रशिक्षण की शुरुआत थी। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स मुख्यालय के संसाधन व्यक्ति, आर. पी. कोटवाल - एसटीसी (एस), मंजीत कौर - जेटीएसटीसी (जी) और के. एल. शर्मा एसी (कम्युनिकेशन) ने व्यक्तिगत रूप से स्कूल का दौरा किया और प्रवेश एवं द्वितीय सोपान के पाठ्यक्रम पर आधारित सत्र आयोजित किए। उन्होंने प्रतिभागियों को बुनियादी गांठें, जीवन कौशल, गीत, चिल्लाहट, अनुशासन और सांकेतिक भाषा जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मार्गदर्शन किया, व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान किए और छात्रों को स्काउटिंग एवं गाइडिंग की सच्ची भावना के अनुसार जीवन जीने के लिए प्रेरित किया संसाधन व्यक्तियों ने स्कूल के बालवाटिका विंग का भी दौरा किया और नए बनी सेक्शन के साथ गर्मजोशी से बातचीत की, जिससे युवाओं को भविष्य में स्काउटिंग और गाइडिंग आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया जा सके। उन्होंने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की और शिविर के आयोजन में निरंतर सहयोग और शिक्षकों व छात्रों को विश्वव्यापी संगठन - भारत स्काउट्स एंड गाइड्स - से जुड़ने का अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य और स्कूल प्रबंधन का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

एसीबी ने अवैध पेट्रोल पंप के लाभार्थी और अधिकारियों पर मामला किया दर्ज

श्रीनगर, 4 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में कहचरायी भूमि पर एक पेट्रोल पंप के अवैध निर्माण के संबंध में एक औपचारिक मामला दर्ज किया है। यह मामला श्रीनगर एसीबी पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 21/2025 के तहत दर्ज किया गया है, जो अरिगाम गाँव के निवासियों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर एक विस्तृत सत्यापन के बाद दर्ज किया गया है।

एसीबी ने सत्यापन में पाया कि अरिगाम बडगाम निवासी अली मोहम्मद खान, पुत्र सोनाउल्लाह खान ने जून 2020 में अरिगाम में कहचरायी भूमि पर हेरफेर और भ्रामक जानकारी के माध्यम से लाइसेंस प्राप्त करके एक पेट्रोल पंप का निर्माण किया था।

जांच से पता चला कि 2018 के दौरान अरिगाम और खानसाहब के तत्कालीन पटवारी, नायब तहसीलदार और तहसीलदार ने सर्वेक्षण संख्या 531 और 533 मिन के तहत मालिकाना भूमि के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी किए थे। हालाँकि उन्होंने जानबूझकर यह उल्लेख करना छोड़ दिया कि इन भूखंडों तक पहुँच केवल राज्य/कचराइ भूमि (सर्वेक्षण संख्या 535) के माध्यम से थी जो स्थल और मुख्य सड़क के बीच स्थित थी।

यह भी पाया गया कि संबंधित पटवारी ने खाका दस्ती तैयार करते समय सर्वेक्षण संख्या 532 (शामिलात भूमि) के अस्तित्व को छिपाया जिससे ज़मीनी स्थिति गलत साबित हुई। मार्च 2018 में बडगाम के अतिरिक्त उपायुक्त द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने के बावजूद, क्षेत्रीय कार्यालय ने इस स्थल को ईंधन के परिवहन और भंडारण के लिए उपयुक्त बताकर गलत प्रमाण पत्र दिया।

इन भ्रामक रिपोर्टों के आधार पर तत्कालीन उपायुक्त बडगाम ने लाभार्थी के पक्ष में गैर-सन्निहित सर्वेक्षण संख्याओं पर एक पेट्रोल पंप लाइसेंस (सं. डीसीबी/2020/10 दिनांक 22 मई, 2020) जारी किया। तत्कालीन उप-विभागीय मजिस्ट्रेट खानसाहब ने भी बिना किसी

दिव्यानी राणा के लिए प्रचार अभियान में तेज़ी

नगरोटा, 4 नवंबर (हि.स.)। नगरोटा निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के प्रचार अभियान को उस समय बल मिला जब भाजपा की राज्य सचिव रीमा पाधा ने भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा के समर्थन में चिब्बा और धारबी क्षेत्रों में एक जीवंत जनसंपर्क अभियान चलाया। प्रचार अभियान के दौरान रीमा पाधा ने स्थानीय निवासियों से मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सं. NR-SNT-W-LDH-82 दिनांक 04.11.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता / कार्य/लुधियाना उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं:

कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के जम्मू डिवीजन के बनिहाल-बारामूला सेक्शन पर पंपोर स्टेशन पर पूर्ण लंबाई की नई माल लाइन के प्रावधान के संबंध में मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक्स इंटरलॉकिंग सिस्टम में परिवर्धन/परिवर्तन का एस एंड टी कार्य (इनडोर और आउटडोर)।
कार्य की लागत	रुपये 1,45,59,973.89/-
धरोहर राशि	रुपये 2,22,800/-
समापन अवधि	4 महीने
निविदा भरने की अंतिम तिथि	11.00 Hrs. on 25.11.2025.

निविदाकर्ता निविदा बन्द होने की तिथि और समय तक www.ireps.gov.in पर मूल/संशोधित निविदा भर सकता है। केवल ऑनलाइन निविदाएं हीं स्वीकार की जाएंगी। शुद्धि पत्र या बदलाव, यदि हो तो इस वेब साईट पे ही डाला जाएगा। निविदाकर्ता www.ireps.gov.in पर रजिस्टर होने के बाद ही निविदा भर सकता है।

3419/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION JAMMU
NOTICE INVITING TENDER

MHDJ/e-NIT 253 of 2025-26

Dated: 03 .11.2025
Due :14 .11.2025

On behalf of the President of India, e-tenders in two cover system on turnkey basis are invited from OEM /OEM Authorized Registered & Reputed firms having sufficient relevant experience of similar nature work having Average Annual Turnover of not less than 20 LACS during the last three years ending march 2025 for the work mentioned below:

S. No.	Description of work	Project Authority	Estt	AAA/ TS	Earnest Money Deposit	Cost of tender document	Time of completion	Eligibility Criterion of Bidder
1	UPGRADATION AND STENGTHENING OF PSM DEPARTMENT AT 3RD FLOOR OF GOVT. MEDICAL COLLEGE, JAMMU	Principal & Dean GMC Jammu	8.396 LACS	ACCORDED	Rs.17,000 in the Shape of CDR/FDR/TDR valid for 12 months pledged to the Executive Engineer MH Division Jammu	Rs 500.00 in the shape of Challan through J&K Govt. Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to 0059-PWD (Revenue) and uploading a copy of treasury challan / receipt on e-tendering portal. OR The bidder may deposit tender fee in the shape of e-Challan through Account no. 0097010100002163 in the name of Executive Engineer Mechanical & Hospital Division Jammu Name of Bank: J&K Bank Town Hall Jammu Branch Code:0097 IFSC code: JAKA0TNHALL MICR CODE: 180051025	30 days	OEM/OEM Authorized Registered & Reputed firms having sufficient experience as per Annexure "C" Similar nature of work

THE NIT CONSISTING OF Qualifying INFORMATION, ELGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & CONDITIONS OF CONTRACT & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED / DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov.in.

Sd/-
(Er. Vishal Mahajan)
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Jammu

DIP/J-7608/25
Dtd: 4-11-2025

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर जागरूकता अभियान तेज

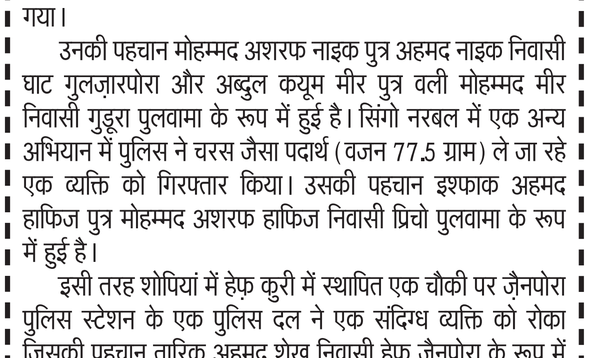

जम्मू, 4 नवंबर (हि.स.)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत जागरूकता सेमिनार और आउटरीच कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू की है। यह योजना रोजगार सृजन और औपचारिक कार्यबल के विस्तार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जम्मू क्षेत्र में अब तक 200 से अधिक औद्योगिक इकाइयां इस योजना के तहत पंजीकृत हो चुकी हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर बनने की संभावना बढ़ी है। जागरूकता गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के लिए ईपीएफओ जम्मू ने इस सप्ताह कपड़ा उद्योग को विशेष रूप से लक्षित करते हुए प्रचार-प्रसार बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस क्रम में सांबा, कठुआ और जम्मू जिलों में कपड़ा क्षेत्र से जुड़े उद्यमों के लिए सेमिनार, कार्यशालाएं और वेबिनार आयोजित किए जाएंगे। कठुआ स्थित चिनाब टेक्सटाइल मिल्स में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन भी प्रस्तावित है। इन कार्यक्रमों में विभिन्न केंद्रीय और राज्य स्तरीय नोडल एजेंसियों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है।

ईपीएफओ अधिकारियों के अनुसार, कपड़ा क्षेत्र से जुड़े विभागों, एजेंसियों और ठेकेदारों को इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। संगठन का उद्देश्य योजना से संबंधित लाभों की अधिकतम जानकारी उद्योग जगत तक पहुँचाना है, ताकि अधिक से अधिक इकाइयां औपचारिक रोजगार सृजन के दायरे में आ सकें।

नशा करने वाले अपराधियों को सामुदायिक सेवा की सजा सुनाई गई

जम्मू, 4 नवंबर (हि.स.)। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) नए आपराधिक कानूनों के तहत एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जम्मू पुलिस ने झज्जर कोटली पुलिस ने मोहम्मद मंशा पुत्र शरीफ मोहम्मद निवासी बदसू और शब्बीर पुत्र यूसुफ निवासी चादली को गिरफ्तार किया।

अदालत में दोनों को सार्वजनिक नशा और अनुचित आचरण का दोषी पाया गया। माननीय न्यायालय ने यह फैसला सुनाया जो सुधारात्मक न्याय की दिशा में एक प्रतिशील कदम है। यह घटना 02-11-2025 को झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई जहाँ आरोपी नशे में धुत पाए गए और सार्वजनिक रूप से अशांति फैला रहे थे। उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया उनकी मेडिकल जाँच कराई गई और उन्हें माननीय सब-जज कोर्ट जम्मू के समक्ष पेश किया गया कारावास के बजाय, न्यायालय ने सुधारात्मक उपाय के रूप में सामुदायिक सेवा का विकल्प चुना। अभियुक्तों को धारा 355 बीएनएसएस के तहत अपराध करने का दोषी ठहराया गया और उन्हें 04-11-2025 से झज्जर कोटली पार्क, थाना झज्जर कोटली और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दंसाल में तीन दिन बिताने का निर्देश दिया गया। नए आपराधिक कानूनों के तहत यह प्रावधान छोटे अपराधों के लिए पुनर्वास और सामुदायिक सहभागिता पर ज़ोर देता है जो सज़ा के बजाय सुधार को बढ़ावा देता है। जम्मू पुलिस की यह पहल सार्वजनिक अपराधों से निपटने के प्रति एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाती है और भविष्य में इसी तरह के मामलों के लिए एक सकारात्मक मिसाल कायम करती है।

संपादकीय

कल्याणकारी व्यय के गणित पर पुनर्विचार

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत शुरू की गई स्मार्ट बस सेवा से होने वाले नुकसान के संदर्भ में विधानसभा में उठाए गए मुद्दे को, जो मासिक आधार पर करोड़ों रुपये से अधिक हो रहा है, एक बदले हुए दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है क्योंकि एक कल्याणकारी राज्य होने के नाते सरकार को जनता के कल्याण के लिए धन खर्च करना चाहिए क्योंकि जनता द्वारा चुनी गई संस्थाएँ लाभ कमाने के लिए नहीं होतीं, बल्कि उन्हें यथासंभव जन-कल्याण सुनिश्चित करने के तरीके और साधन खोजने चाहिए।

बिना किसी पूर्वाग्रह या भेदभाव के लोगों पर खर्च किया गया एक-एक पैसा फिजूलखर्ची नहीं कहा जा सकता, खासकर अगर वह धन किसी सार्वजनिक उद्देश्य के लिए खर्च किया जा रहा हो।

यह उल्लेख करना उचित होगा कि जम्मू-कश्मीर सरकार ने स्वीकार किया था कि महत्वाकांक्षी स्मार्ट बस सेवा के संचालन के लिए भारी धनराशि की आवश्यकता है, खासकर समाज के निष्पक्ष सदस्यों के लिए इस सेवा को नि:शुल्क करने के निर्णय के बाद।

यह खुलासा कंगन के विधायक मियां मेहर अली द्वारा हाल ही में विधानसभा सत्र के दौरान परियोजना के वित्तीय प्रदर्शन का विवरण मांगे जाने के बाद हुआ। कश्मीर संभाग में प्रति किलोमीटर परिचालन लागत 60.74 रुपये है, जबकि प्रति किलोमीटर राजस्व केवल 12 रुपये है – जिससे प्रति किलोमीटर 48.74 रुपये का नुकसान और कुल 9.74 लाख रुपये का दैनिक घाटा होता है। जम्मू संभाग में भी स्थिति बेहतर नहीं है। वहाँ परिचालन लागत 62.66 रुपये प्रति किलोमीटर है, लेकिन राजस्व केवल 10.01 रुपये है, यानी प्रति किलोमीटर 52.65 रुपये का नुकसान और लगभग 10 लाख रुपये की दैनिक कमी। दोनों संभागों को मिलाकर प्रतिदिन 19.75 लाख रुपये का संचयी घाटा हो रहा है।

अब इन आंकड़ों को जम्मू-कश्मीर में कई लोगों द्वारा सरकारी खजाने की फिजूलखर्ची के रूप में उजागर किया गया है, खासकर महिलाओं को मुफ्त सवारी के नाम पर, लेकिन यहाँ देखने वाली बात यह है कि सरकार लोगों के कल्याण के लिए कदम उठाने और उन पर पैसा खर्च करने के लिए बनती है, न कि मुनाफा कमाने के लिए, क्योंकि आखिरकार सरकार कोई व्यावसायिक प्रतिष्ठान नहीं है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकारी खजाने का प्रबंधन व्यवहार्य और टिकाऊ होना चाहिए, और यह जिम्मेदारी सत्ता में बैठे लोगों के कंधों पर है। उदाहरण के लिए, अगर सरकार सड़कों और अन्य नागरिक बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर खर्च करती है, तो पैसे की कोई वापसी नहीं होती है और इसे भी नुकसान माना जा सकता है, लेकिन कोई भी इसे नुकसान नहीं मानता।

समय की माँग है कि स्मार्ट ई-बसों को भी इसी नज़रिए से देखा जाए और जो लोग इस पर आपत्ति जता रहे हैं, उन्हें इस पर विचार करना चाहिए और इसे भी जन कल्याण पर खर्च के रूप में देखना चाहिए। जहाँ तक अनुपात से बाहर नुकसान का सवाल है, सत्ता में बैठे लोगों को किराया बढ़ाकर, दोषी कर्मचारियों द्वारा चोरी रोककर और अन्य उपाय करके कदम उठाने चाहिए।

भारत के श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन की आवश्यकता

– एस.पी. तिवारी

भारत का कार्य जगत एक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। देश की श्रमशक्ति को लिखित अनुबंधों, पर्याप्त मजदूरी और व्यापक सामाजिक सुरक्षा द्वारा समर्थित औपचारिक रोजगार में तेजी से जगह मिलनी चाहिए ताकि विकास के लाभ सभी के लिए सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण आजीविका में बदल सकें। पुराने विनियामक ढांचों के बने रहने के चलते, आंशिक रूप से, औपचारिकीकरण की गति और उद्यमों की सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण नौकरियां सृजित करने की क्षमता सीमित हो गई है।वर्ष 2019 और 2020 के बीच संसद द्वारा मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कामकाज की स्थितियों के संबंध में पारित चार श्रम संहिताएं 2002 में रवींद्र वर्मा की अध्यक्षता वाली द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोगद्वारा परिकल्पित लंबे समय से लंबित सुधारों का प्रतिनिधित्व करती हैं।इस श्रम आयोग का मिशन तत्कालीन मौजूदा श्रम ढांचे को संहिताबद्ध, सरल और संशोधित करना था। ये नई संहिताएं देश के श्रम परिदृश्य को आधुनिक बनाने और संरचनात्मक असंतुलनों को दूर करने हेतु एक व्यापक ढांचा प्रदान करती हैं। सभी राज्यों में इनका एकसमान कार्यान्वयन अब एक बेहद जरूरी राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है।

ये नई संहिताएं 29 केन्द्रीय श्रम कानूनों को सरल और आधुनिक बनाती हैं।इन कानूनों में से कई बीसवीं सदी के मध्य के हैं। इन संहिताओं का उद्देश्य न केवल कानूनों का विलय करना है, बल्कि श्रमिकों/कर्मचारियों की विभिन्न परिभाषाओं को एक सरल परिभाषा में बदलना भी है। प्रत्येक संहिता श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण को सुदृढ़ करती है और साथ ही नियोक्ताओं के लिए स्पष्टता और पूर्वानुमेयता प्रदान करती है।

उचित मजदूरी और श्रम की गरिमा

वेतन संहिता, 2019 प्रत्येक श्रमिक को श्रम की गरिमा का सम्मान करने वाला वेतन सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन और एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन लागू करके, यह संहिता इस बात की गारंटी देती है कि कोई भी श्रमिक, चाहे वह किसी भी पेशे या स्थान से जुड़ा हो, एक बुनियादी मानक आय से वंचित नहीं रहेगा। उद्योग की अनुसूची को समाप्त करने से सार्वभौमिक वेतन का मार्ग प्रशस्त होता है।

समय पर भुगतान के प्रावधानों को मजबूत किया गया है।इससे देरी की वह समस्या दूर हुई है, जो पहले परिवारों को कर्ज में धकेल देती थी। अब कर्मचारी अप्रदत्त वेतन या बोनस का दावा आसानी से कर सकते हैं और ऐसे विवादों में सबूत पेश करने का भार नियोक्ता पर होता है, जिससे जवाबदेही बढ़ती है।

साथ ही, यह संहिता उद्यमों के लिए अनुपालनों को सुव्यवस्थित करती है। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड-कीपिंग, एकल पंजीकरण एवं एकीकृत रिटर्न कागजी कार्रवाई को कम करते हैं और हेरफेर की आशंकाओं को घटाते हैं।

सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 आजाद भारत में कल्याण के सबसे समावेशी विस्तारों में से एक है। कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम और मातृत्व लाभ अधिनियम सहित नौ प्रमुख कानूनों को एकीकृत करके, यह संहिता एक ऐसी एकीकृत प्रणाली स्थापित करती है जो पारंपरिक और भविष्य के कार्य, दोनों को कवर करती है।

यह पहली बार है जब गिग श्रमिकों, प्लेटफॉर्म श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के लोगों को स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय श्रमशक्ति का हिस्सा माना गया है। प्रत्येक श्रमिक को ई-श्रम पोर्टल के जरिए पंजीकृत किया जाएगा और एक विशिष्ट सामाजिक सुरक्षा संख्या प्रदान की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मातृत्व सहायता जैसे लाभों का सीधा वितरण संभव हो सकेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय व राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष बनाए जायेंगे कि ऐप-आधारित डिलीवरी पार्टनर या निर्माण कार्यों में संलग्न मजदूर जैसे श्रमिक भी अब सुरक्षा के दायरे से बाहर न रहें और निधियों का समग्र प्रबंधन संभव हो।

इस संहिता में करियर केन्द्र, डिजिटल एवं भौतिक प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं जो व्यावसायिक मार्गदर्शन, परामर्श और रोजगार सेवाएं प्रदान करेंगे। यह संस्थागत समर्थन कल्याण को बहु-रोजगार क्षमता से जोड़ेगा, जिससे श्रमिकों को असुरक्षा की स्थिति से निकलकर अवसर की दिशा में बढ़ने में मदद मिल सकेगी।

कार्यस्थल पर सुरक्षा, गरिमा और समानता

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियां संहिता, 2020 (ओएसएचसंहिता), राष्ट्र निर्माण करने वालों की देखभाल और उनके प्रति जिम्मेदारी का एक संदेश है। प्रतिष्ठान की परिभाषा को व्यापक बनाकर, यह संहिता उन लाखों लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है जो पहले सुरक्षा कानूनों के दायरे में नहीं आते थे।

यह श्रमिकों के नि:शुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच को अनिवार्य करती है और नियोक्ताओं से कर्मचारियों पर कोई वित्तीय बोझ डाले बिना सुरक्षित एवं स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखने की अपेक्षा करती है। राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड का गठन बदलती औद्योगिक परिस्थितियों के अनुरूपसुरक्षा मानकों काविकास सुनिश्चित करता है।

ओएसएच संहिता लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति सुनिश्चित करती है। महिला श्रमिकों को सभी प्रतिष्ठानों और रात्रि पाली में काम करने की अनुमति है, बशर्ते पर्याप्त सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध हों।इससे अधिक संख्या में महिलाओं को श्रम बल में शामिल होने व बने रहने का अधिकार मिलता है। प्रवासी श्रमिकों को भी एक राष्ट्रीय पंजीकरण प्रणाली के जरिए मान्यता हासिल होती है।इससे कल्याणकारी योजनाओं और आवागमन संबंधी लाभों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित होती है और बेहतर जीवन एवं आजीविका सुनिश्चित करने हेतु कानूनी ढांचे की निगरानी संभव होती है।

कैंटीन और शौचालय जैसी सुविधाएं अब निचले पायदान तक अनिवार्य हैंऔर ऐसे प्रावधानों के निर्धारण के क्रम में ठेका श्रमिकों को भी शामिल किया जाता है। ये उपाय न्यूनतम अनुपालन से हटकर श्रमिकों के कल्याण के प्रति वास्तविक चिंता की दिशा में होने वाले बदलाव को दर्शाते हैं।

औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच संबंधों में स्पष्टता लाती है और एक एकीकृत ढांचे के साथ तीन पुराने अधिनियमों की जगह लेती है। इसके तहत बीस या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के लिए शिकायत निवारण समितियां स्थापित करना अनिवार्य हैताकि विवादों के हड़ताल या मुकदमेबाजी में बदल जाने से पहले ही उनका शीघ्र समाधान उद्यम स्तर पर सुनिश्चित हो जाए।

यह श्रमिकों के नि:शुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच को अनिवार्य करती है और नियोक्ताओं से कर्मचारियों पर कोई वित्तीय बोझ डाले बिना सुरक्षित एवं स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखने की अपेक्षा करती है। राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड का गठन बदलती औद्योगिक परिस्थितियों के अनुरूपसुरक्षा मानकों काविकास सुनिश्चित करता है।

ट्रेड यूनियनों को एक समझौतावादी संघ या परिषद की अवधारणा के जरिए मान्यता हासिल होती है, जिससे सामूहिक सौदेबाजी को बल मिलता है और श्रमिकों को अपने कार्यस्थल को आकार देने में एक प्रभावी भागीदारी हासिल होती है। छंटनी का सामना कर रहे श्रमिक अब 30 दिन का नोटिस और पर्याप्त मुआवजा पाने के हकदार हैं।यह एक मानवीय सुधार है, जो आजीविका की सुरक्षा का सम्मान करता है। छंटनीग्रस्त श्रमिकों के लिए एक पुन: कौशल निधि (रिस्किलिंग फंड) की स्थापना एक दूरदर्शी दृष्टिकोण का संकेत देती है, जो बदलती अर्थव्यवस्था में सीखने और अनुकूलनशीलता को महत्व देती है। हड़ताल के अधिकार से संबंधित प्रावधानों पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। बंदी या तालाबंदी की आसान मंजूरी के लिए उद्योगों के लिए श्रमिकों की सीमा को बढ़ाकर300 तक करने के प्रावधान पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

इस संहिता द्वारा औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त निश्चित अवधि का रोजगार, उद्योग जगत को लचीलापन प्रदान करता है और साथ ही नियमित कर्मचारियों के समान वेतन और ग्रेच्युटी सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों में समानता की गारंटी देता है। यह कदम आधुनिक अर्थव्यवस्था की जरूरतों और उसमें काम करने वालों के औचित्यएवं सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करता है।

कार्यान्वयन अब क्यों जरूरी

विभिन्न विकासशील देशों से मिले साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि श्रम सुधारों ने आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बढ़ते टैरिफ और व्यापार के बदलते पैटर्न से प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलावों की पृष्ठभूमि में, भारत को अपने नए श्रम कानूनों को तत्काल लागू करना जरूरी है। सरल एवं पारदर्शी कानून निवेश को आकर्षित करेंगे, औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देंगे और श्रमिकों की गरिमा को बनाए रखेंगे। समय पर अधिसूचना भारत को विकसित देशों का दर्जा दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

एक ऐसे दौर में जब स्वचालन और डिजिटलीकरण पारंपरिक नौकरियों के खत्म हो जाने का खतरा पैदा कर रहे हैं, ये संहिताएं संतुलित विकास का एक ऐसा ढांचा प्रदान करती हैं जो तकनीकी प्रगति के बावजूद मानवीय गरिमा को बनाए रखता है। सभी राज्यों में इनके कार्यान्वयन से एक समान मानक बनेंगे, अस्पष्टता कम होगी और नौकरियां आसानी से सुलभ होंगी।

आगे की राह

ये चार संहिताएंएकऐसे आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की महत्वाकांक्षा की रीढ़ हैं, जो आर्थिक गतिशीलता और सामाजिक न्याय के बीच समन्वय सुनिश्चित करता है। ये संहिताएं निरीक्षकों को सुविधाप्रदाता में बदल देती हैं, पुराने एवं परस्पर विरोधी कानूनों को स्पष्ट व सुसंगत कानूनों से बदल देती हैं और श्रमिकों के कल्याण को आर्थिक नीति के केन्द्र में रखती हैं।

कुछ शर्तों के साथ इन सुधारों की भावना केवल एकीकरण में ही नहीं, बल्कि करुणा में भी निहित है।ये सुधार यह सुनिश्चित करते हैं कि कारखाने से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक, हर कर्मचारी को सम्मान, सुरक्षा और संरक्षा मिले। श्रमिकों के लिए, ये सुधार निष्पक्षता और अवसर का वादा करते हैं। इसलिए, इन संहिताओं को शीघ्रता और एकरूपता के साथ लागू करना न केवल प्रशासनिक तात्कालिकता, बल्कि राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का भी विषय हैताकि एक ऐसी अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जा सके जहां विकास सबका साझा हो, काम का सम्मान होऔर भारत की प्रगति में योगदान देने वाले हर हाथ की रक्षा हो एवं उनके जीवनयापन में आसानी हो।

(राष्ट्रीय महासचिव, ट्रेड यूनियन कोआर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी))

गुरुनानक देव जी: महान संत और दिव्य विभूति

मृत्युंजय दीक्षित

सिख समाज के महान गुरु और संत गुरुनानक देव जी का जन्म 1469 ई में रावी नदी के किनारे स्थित राय भोई की तलवंडी में हुआ था जो अब ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है। यह स्थान देश के विभाजन के पश्चात पाकिस्तान के हिस्से वाले पंजाब में चला गया। इनके पिता मेहता कालू गांव के पटवारी थे और माता का नाम तृप्ता देवी था। इनकी एक बहन भी थी जिनका नाम नानकी था। बचपन से ही नानक में प्रखर बुद्धि के लक्षण दिखाई देने लगे थे किन्तु उसी समय से वे सांसारिक चीजों के प्रति उदासीन रहते थे। पढ़ाई-लिखाई में इनका मन कभी नहीं लगा। सात वर्ष की आयु में गांव के विद्यालय में जब अध्यापक पंडित गोपाल दास ने पाठ का आरंभ अक्षरमाला से किया तो बालक नानक ने अध्यापक महोदय से अक्षरमाला का अर्थ पूछ लिया। अध्यापक के कहने पर नानक ने प्रत्येक अक्षर का अर्थ लिख दिया। यह बालक नानक के द्वारा दिया गया पहला दैविक संदेश था। लज्जित अध्यापक ने उनके पैर पकड़ लिये।

कुछ समय बाद उन्होंने विद्यालय जाना ही छोड़ दिया। अध्यापक स्वयं नानक को घर छोड़ने आये। ऐसी कई चमत्कारिक घटनाएं घटित हुई जिससे गांव के लोग नानक को दिव्य शक्ति संपन्न मानने लगे। बचपन से ही इनके प्रति श्रद्धा रखने वाले लोगों में इनकी बहन नानकी तथा गांव के शासक प्रमुख थे। कहा जाता है कि 14 से 18 वर्ष के बीच गुरुदासपुर जिले के बटाला के निवासी भाईमुला की पुत्री सुलक्खनी के साथ नानक का विवाह हुआ। उनकी पत्नी ने दो पुत्रों को जन्म दिया किन्तु नानक पारिवारिक बन्धनों में नहीं जकड़े। उनके पिता को भी शीघ्र समझ में आ गया कि विवाह के बाद भी नानक अपने लक्ष्य से पथभ्रष्ट नहीं हुए थे। वे शीघ्र ही अपने परिवार का भार अपने श्वसुर पर छोड़कर अपने चार शिष्यों मरदाना, लहना, नाला और रामदास को लेकर यात्रा के लिए निकल पड़े, अब उनका परिचय गुरु नानक देव के रूप में हो चुका था। गुरुनानक देव जी ने संसार के दुखों को घृणा, झूठ, छल-कपट से परे होकर देखा और इस धरती पर मानवता के नवीनीकरण के लिए निकल पड़े। वे सच्चाई की मशाल लिए, अलौकिक प्यार, मानवता की शांति और खुशी के लिए चल पड़े। वे उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम चारों तरफ गये और हिंदू, मुसलमान, बौद्ध, जैनियों, सूफियों, योगियों और सिद्धों के विभिन्न केंद्रों का भ्रमण किया। उन्होंने अपने मुसलमान सहयोगी मर्दाना जो एक भाट था, उसके साथ पैदल यात्रा की। उनकी यात्राओं को पंजाबी में उदासियां कहा जाता है। इन यात्राओं में आठ वर्ष बिताने के बाद वे घर वापस लौटे। गुरुनानक देव जी एक प्रकार से सर्वेश्वरवादी थे। उनके दर्शन में वैराग्य तो है ही साथ ही उन्होने तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक स्थितियों पर भी नजर डाली है। संत साहित्य में नानक ने नारी को उच्च स्थान दिया है। इनके उपदेश का सार यही होता था- ईश्वर एक है। कुछ लोगों ने ईर्ष्या वश तत्कालीन शासक इब्राहीम लोधी को उनके विरुद्ध भड़का दिया जिसके कारण कई दिनों तक कैद में भी रहे। कुछ समय बाद जब पानीपत की लड़ाई में इब्राहीम लोधी पराजित हुआ तब गुरुनानक देव जी कैद से मुक्त हुए।

जीवन के अंतिम दिनों में इनकी ख्याति बढ़ती चली गयी तथा विचारों में भी परिवर्तन हुआ। उन्होंने करतारपुर नामक एक नगर बसाया था। अपने दैवीय वचनों से उन्होंने उपदेश दिया कोई भी धर्म जो अपने मूल्यों की रक्षा नहीं करता वह आने वाले समय में अपना अस्तित्व खो देता है। उनके संदेश का मुख्य तत्व इस प्रकार था- ईश्वर एक है, ईश्वर ही प्रेम है, वह मंदिर में है, मस्जिद में है और चारदीवारी के बाहर भी वह विद्यमान है। ईश्वर की दृष्टि में सारे मनुष्य समान हैं। वे सब एक ही प्रकार जन्म लेते हैं और एक ही प्रकार अंतकाल को भी प्राप्त होते हैं। ईश्वर भक्ति प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। उसमें जाति-पंथ, रंगभेद की कोई भावना नहीं है। 40वें वर्ष में ही उन्हें सतगुरु के रूप में मान्यता मिल गयी। उनके अनुयायी सिख कहलाये। उनके उपदेशों के संकलन को जपुजी साहिब कहा जाता है। प्रसिद्ध गुरु ग्रंथसाहिब में भी उनके संदेश हैं। सभी सिख उन्हें पूज्य मानते हैं और भक्तिभाव से इनकी पूजा करते हैं। कवि ननिहाल सिंह ने लिखा है कि, वे पवित्रता की मूर्ति थे उन्होंने पवित्रता की शिक्षा दी। वे प्रेम की मूर्ति थे उन्होंने प्रेम की शिक्षा दी। वे नम्रता की मूर्ति थे, नम्रता की शिक्षा दी। वे शांति और न्याय के दूत थे। समानता और शुद्धता के अवतार थे। प्रेम और भक्ति का उन्होने उपदेश दिया। गुरुनानक देव जी के दर्शन, उनकी शिक्षाओं, ब्रह्माण्ड और आकाशगंगा जैसे विषयों पर उनकी गहरी अंतर्दृष्टि के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है। 500 साल पहले आकाशगंगा की जानकारी लाखों चन्द्रमाओं सूर्य और ग्रहों से घिरी पृथ्वी के उनके चित्रण ने उस समय के विद्वानों को अचंभित किया था। गुरुनानक देवजी ने समाज को महिलाओं का सम्मान करने की शिक्षा दी। संत गुरु नानक देव जी मानव रूप में ईश्वरीय आत्मा थे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राष्ट्रीय जलमार्गों से सशक्त होता लॉजिस्टिक्स तंत्र

– श्री विजय कुमार

भविष्यर के एक ऐसे भारत की कल्पना करें जहां मालढुलाई ट्रकों के बजाय नावों से हो, लॉजिस्टिक्स गलियारे राजमार्गों की जगह नदियों के किनारे बने हों और व्यापार बढ़ने के बाद भी कार्बन उत्स र्जन कम हो। ऐसा भविष्य कोरी कल्पना नहीं है बल्कि हमारी पहुंच के दायरे में है। देश को विकसित भारत और सही मायने में आत्मनिर्भर बनने के लिए अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्यू टी) को टिकाऊ लॉजिस्टिक्स क्रांति की रीढ़ बनना होगा।

भारत 4,000 वर्षों से नदियों के माध्यंम से व्यापार करता आ रहा है। नदियों ने लोथल को रोम से, बंगाल को बर्मा से और असम को शेष दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ा है। हालांकि समय के साथ सड़कों और रेलवे ने अपनी रफ्तार और स्टील की चमक से नदियों को पीछे धकेल दिया। लेकिन अब जलवायु परिवर्तन के चलते आर्थिक दबाव के इस दौर में हालात बदल रहे हैं। ऐसा नदियों के प्रति प्रेम की वजह से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्देशीय जलमार्ग पर अभूतपूर्व नीतिगत ध्यानि दिया जा रहा है। राष्ट्री य जलमार्गों पर 2013-14 में कार्गो की आवाजाही 18.1 मिलियन मेट्रिक टन थी जो 2024-25 में बढ़कर 145.84 मिलियन मेट्रिक टन हो गई है। जलमार्गों से माल-ढुलाई का खर्च भी कम आता है। जलमार्ग से माल-ढुलाई का खर्च 1.20 रुपये प्रति टन-किलोमीटर है जबकि रेल से 1.40 रुपये और सड़क से 2.28 रुपये प्रति टन-किलोमीटर का खर्च आता है। जलमार्ग किफायती और ईंधन-कुशल होते हैं। जलमार्ग से परिवहन पर प्रति टन-किलोमीटर केवल 0.0048 लीटर ईंधन की खपत होती है जबकि सड़क से 0.0313 लीटर और रेल मार्ग से 0.0089 लीटर खर्च होता है। यह किसी भी सप्लाई चेन मैनेजमेंट के लिए आंखें खोलने वाली बात है।

सबसे महत्वेपूर्ण यह है कि नदी परिवहन से प्रति टन-किलोमीटर ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन सड़क परिवहन की तुलना में महज 20 प्रतिशत होता है। गंगा या ब्रह्मपुत्र में चलने वाला हर जहाज न केवल सामान ढो रहे हैं, बल्कि भारत के कार्बन उत्सरर्जन को कम करने की सजगता को भी स्पिष्ट, रूप से परिलक्षित कर रहा है।

भारत सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर जलमार्ग विकास परियोजना को मंजूरी दी थी, जिससे गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली में कार्गो की आवाजाही बढ़ रही है। वाराणसी और साहिबगंज जैसे मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स हब राष्ट्री य राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के साथ साझेदारी में विकसित किए जा रहे हैं तथा इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के जरिये रेल लिंक बनाए जा रहे हैं ताकि नदी, रेल और सड़क को सुगमता से जोड़ा जा सके। राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) पर जोगीघोपा आईडब्यूफ टी टर्मिनल को मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) से जोड़ा जा रहा है, जो भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग के जरिये कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह को जोड़ता है।

अंतर्देशीय जल परिवहन की क्षमता अब साफ़ दिखने लगी है। असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) की विस्तारर परियोजना का हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। रिफाइनरी के लिए ओवर डाइमेंशनल कार्गो (ओडीसी) और ओवर वेट कार्गो (ओडब्यूफ् सी) जैसे भारी उपकरण आईडब्यूि एआई की देखरेख में भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग और ब्रह्मपुत्र नदी के जरिये ट्रांसपोर्ट किए गए थे। इसमें 24 कंसाइनमेंट शामिल थे जो एनआरएल जेट्टी तक आसानी से और सुरक्षित रूप से पहुंचाए गए। इससे भीड़भाड़ वाले राजमार्गों और बड़े कार्गो के लिए सड़क परिवहन की मुश्किलों से भी बचा गया। इस ऑपरेशन से पता चला कि नदी लॉजिस्टिक्स न केवल पर्यावरण के लिए अच्छा है, बल्कि यह भारत के सबसे मुश्किल औद्योगिक शिपमेंट को संभालने में भी पूरी तरह से सक्षम है। सही मायने में यह लागत-प्रभावी, सुरक्षा और सतत परिवहन का बेजोड़ मेल है।

उद्योग के लिए यह अतीत की यादों में खोने या राष्ट्री य गर्व की ही बात नहीं है बल्कि यह मार्जिन और मार्केट के बारे में है। जलमार्ग से सामान भेजना सस्ता, ज्यादि स्वच्छऔ और तेज होता जा रहा है क्योंकि मल्टीमोडल हब ऑनलाइन आ रहे हैं। आज की दुनिया में वैश्विक निवेशक सप्लाई चेन को केवल दक्षता के लिहाज से ही नहीं बल्कि उनके पर्यावरणीय प्रभाव को भी देखते हैं, ऐसे में नदी परिवहन को अपनाना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। कार्बन उत्स र्जन घटाने पर भी जोर है, जिससे अंतर्देशीय जलमार्ग आधुनिक लॉजिस्टिक्स के लिए बेहतर और ज्यापदा टिकाऊ विकल्प बन गए हैं। जलमार्गों के जरिये माल भेजने से कम लागत, बेहतर पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) क्रेडेंशियल्स का दोहरा फायदा मिलता है।

सामाजिक लाभ असली है। कम ट्रक मतलब कम दुर्घटनाएं, सड़कों के रखरखाव पर कम दबाव, स्वीच्छ हवा और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था। नदी किनारे रहने वाले कई समुदाय जो कभी फेरी ट्रांसपोर्ट या छोटे पैमाने के व्यापार पर निर्भर थे, वे अब लॉजिस्टिक्स सपोर्ट, हैंडलिंग, वेयरहाउसिंग और अंतर्देशीय पोत्त्न सेवाओं में नया रोजगार पा सकते हैं। यह व्यािपार और रोजगार को बढ़ाने का एक सुदृढ़ साधन है।

ऐसा नहीं है कि इसमें कोई चुनौती नहीं है। मौसम का असर नेविगेशन पर पड़ता है। कुछ हिस्सों में लगातार ड्रेजिंग की दरकार होती है। मालवाहन बेड़े भी सीमित हैं। राज्यों, बंदरगाहों और मंत्रालयों के बीच संस्था।गत समन्यावय भी बड़ी चुनौती है। लेकिन सरकार एंड-टू-एंड ड्रेजिंग, मल्टी-मोडल हब का विस्तार, अंतर्देशीय पोत कानून जैसी नीतियों को लागू करके इन चुनौतियों से निपट रही है। इसके साथ ही सरकार राष्ट्री य जलमार्ग पर निजी जेट्टी बनाकार और 'हरित नौका' के तहत पर्यावरण मानदंडों का पालन करके इस क्षेत्र को स्वच्छ और हरित तरीकों की ओर ले जा रही है। कार-डी (कार्गो डेटा पोर्टल), जलयान और नाविक, जल-समृद्धि, पानी और नौदर्शिका (नेशनल रिवर ट्रैफिक और नेविगेशन सिस्टम) पोर्टल जैसे डिजिटल टूल परिवहन को आसान बनाते हैं और रुकावटों को कम करते हैं।

पूरी दुनिया में नदी परिवहन का विस्तावर हो रहा है। डेन्यूब और राइन नदियां यूरोप का माल ढोती हैं। भारत मालवहन योग्यि नदियों के समृद्ध नेटवर्क के साथ मजबूत स्थिति में है। भारत ने 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्यक रखा है, ऐसे में जलमार्ग उसके लिए विकल्पव नहीं बल्कि अनिवार्यता है। जल परिवहन दक्षता, अर्थव्यणवस्थाो और पारिस्थितिकी सभी के लिहाज से उयुक्तृ है।

मुंबई में चल रहे इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 में वैश्विक और स्था नीय नीति निर्माता, लॉजिस्टिक्स की दिग्गज कंपनियों से लेकर नए लोगों तक, सरकारें, निवेशक, मैरीटाइम विशेष, पर्यावरणविद और उत्साही लोग इस दिशा में अगला कदम उठाने के लिए अपने विचार प्रस्तुनत करेंगे। यह आयोजन कार्गो-केंद्रित नदी परिवहन के भविष्य की झलक दिखाएगा कि कैसे गंगा, ब्रह्मपुत्र और दूसरे जलमार्ग हरे-भरे और ज्या दा कुशल भारत की रीढ़ बन सकते हैं। नदियों ने हमारी सभ्यता बनाई है। अपनी समृद्ध विरासत को अपनाकर और दुनिया की श्रेष्ठ कार्यप्रणाली के साथ भारत एक नए और आधुनिक अंतर्देशीय जल परिवहन प्रणाली के जरिये टिकाऊ अर्थव्यवस्थाश बनाने के लिए तैयार है। नदी की धारा आखिरकार हमारे पक्ष में बह रही है, जो हरित लॉजिस्टिक्स के भविष्य को ताकत दे रही है।

(लेखकपत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय में सचिव हैं)

हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए कमेंट्री पैनल से जुड़े माइकल क्लार्क और वकार यूनुस

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क और पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनुस हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए कमेंट्री पैनल का हिस्सा बने हैं। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। क्रिकेट हांगकांग चाइना ने घोषणा की कि कमेंट्री टीम में विश्व क्रिकेट के दिग्गजों और अनुभवी प्रसारकों का मिश्रण शामिल होगा, जिन्होंने खेल को करीब से देखा और समझा है। इनमें माइकल क्लार्क और वकार यूनुस दो प्रतिष्ठित हस्तियां अपने अनुभव और गहरी समझ के साथ प्रसारण कवरेज को और भी ऊंचाई पर ले जाने का वादा करती हैं। इस सूची में श्रीलंका के पूर्व ऑलराउंडर फर्वीज महरूफ भी शामिल हैं, जो अंतरराष्ट्रीय अनुभव की समृद्धि लेकर कमेंट्री पैनल में जुड़ेंगे। भारतीय क्रिकेट प्रसारण के सम्मानित चेहरों में से एक भारत के पूर्व ऑफ-स्पिनर निखिल चोपड़ा अपने तकनीकी ज्ञान और रोचक कमेंट्री से दर्शकों को जोड़ेंगे। कमेंट्री पैनल में माइकल क्लार्क, जॉयदीप मुखर्जी, वकार यूनुस, डॉमिनिक कॉर्क, फर्वीज महरूफ, निखिल चोपड़ा, सुहास वेधम, निक्की चौधरी को रखा गया है। हांगकांग सिक्सेस 2025 में 12 टीमें होंगी जिन्हें चार समूहों में बांटा गया है। इसमें शीर्ष अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जो क्रिकेट के सबसे मनोरंजक आयोजनों में से एक है। पहले दिन दस मुकाबले खेले जाएंगे, जो रोमांचक और ऊर्जा से भरपूर क्रिकेट वीकेंड की शुरुआत करेंगे।

दुनिया के सबसे उम्रदराज ओलंपिक चैंपियन चार्ल्स कॉस्ट का 101 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे उम्रदराज ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चार्ल्स कॉस्ट का 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। कॉस्ट ने 1948 लंदन ओलंपिक में साइक्लिंग टीम पर्स्यूट इवेंट में फ्रांस को स्वर्ण पदक दिलाया था। चार्ल्स कॉस्ट ने न सिर्फ फ्रांस, बल्कि पूरी दुनिया के खेल प्रेमियों के दिलों में अपनी अमर पहचान छोड़ी है। ओलंपिक्स.कॉम के अनुसार, उनका निधन 31 अक्टूबर, गुरुवार को हुआ। चार्ल्स कॉस्ट ने सर्ज ब्लुसॉन, फर्नांड डेकेनाली और पियरे एडम के साथ मिलकर यह ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था। वह पिछले वर्ष पेरिस ओलंपिक 2024 के उद्घाटन समारोह में दूसरे अंतिम मशालवाहक के रूप में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने मशाल पांच बार के ओलंपिक जुडो चैंपियन टेडी रिनर को सौंपी थी। कॉस्ट का जन्म 8 फरवरी, 1924 को ओलियूल्स (फ्रांस के वर क्षेत्र) में हुआ था। बचपन से ही उन्हें खेल और साइक्लिंग के प्रति गहरा लगाव था। उन्होंने 1947 में फ्रांस के राष्ट्रीय पर्स्यूट चैंपियन का खिताब जीता और अगले ही वर्ष ओलंपिक में स्वर्ण पदक हासिल किया। उस टूर्नामेंट में फ्रांस ने सेमीफाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को और फाइनल में इटली को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। कॉस्ट जनवरी 2025 में हंगरी की जिम्नास्ट एग्नेस केलेटी के निधन के बाद से दुनिया के सबसे बुजुर्ग जीवित ओलंपिक चैंपियन बन गए थे।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद अफगानिस्तान टीम से अलग होंगे मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने घोषणा की कि मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 के बाद समाप्त हो जाएगा। यह विश्व कप फरवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा। बोर्ड ने यह फैसला राष्ट्रीय टीम के अगले चरण की रणनीतिक योजना के तहत लिया है। बोर्ड ने यह भी पुष्टि की कि नए मुख्य कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया टी20 विश्व कप 2026 के बाद शुरू की जाएगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ट्रॉट के समर्पण, अनुशासन और योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। जोनाथन ट्रॉट ने 2022 में अफगानिस्तान राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में खिलाड़ियों के साथ मिलकर टीम के प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धात्मक स्तर को काफी ऊंचा किया है। उनके कार्यकाल में अफगानिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई ऐतिहासिक जीतें दर्ज कीं और बड़े टूर्नामेंटों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। एसीबी ने अपने बयान में कहा कि 'कोचिंग में बदलाव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का स्वाभाविक हिस्सा है। जैसे-जैसे टीमें विकसित होती हैं, वैसे ही उनके नेतृत्व और रणनीतियों में भी बदलाव की जरूरत होती है। यह परिवर्तन अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है, जो दीर्घकालिक उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। '

एआईएफएफ सुपर कप में केरल ब्लास्टर्स ने स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली को 3-0 से हराया

बम्बोलिम (गोवा)। केरल ब्लास्टर्स एफसी ने शानदार आक्रामक प्रदर्शन करते हुए एआईएफएफ सुपर कप ग्रुप-डी मुकाबले में स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली को 3-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ केरल ब्लास्टर्स ग्रुप में दो मैचों में छह अंक और +4 गोल अंतर के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है। उनका अगला मुकाबला 6 नवंबर को मुंबई सिटी एफसी से होगा, जो आज बाद में राजस्थान यूनाइटेड के खिलाफ खेलेगी। जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए मैच में टीम के नए खिलाड़ी कोल्डो ओबिएटा ने दो गोल दागे, जबकि थिंगुजम कोरोउ सिंह ने एक शानदार ओवरहेड किक से तीसरा गोल किया। तीन बार की इंडियन सुपर लीग फाइनलिस्ट टीम ने शुरू से ही मुकाबले में दबदबा बनाए रखा। मैच की शुरुआत धमाकेदार रही। चौथे मिनट में अड्रियन लूना के कॉर्नर पर जुआन रोड्रिगेज का हेडर क्रॉसबार से टकराया। स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली ने पांच डिफेंडरों की रणनीति के साथ मैदान में उतरकर हमलों को रोकने की कोशिश की।

भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में होगा भव्य समारोह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भारतीय हॉकी के 100 वर्ष (1925-2025) पूरे होने के उपलक्ष्य में भव्य समारोह के आयोजन की घोषणा की। हॉकी इंडिया के सहयोग से आयोजित होने वाला यह शताब्दी समारोह 7 नवंबर को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जिसके समानांतर देश के 550 से अधिक जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत इन जिलों में एक साथ 1,400 से अधिक हॉकी मैच खेले जाएंगे, जिनमें जमीनी स्तर पर 36,000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। यहां मेजर ध्यान चद नेशनल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया ने कहा कि भारत हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक आयोजन भारत की

समृद्ध हॉकी विरासत के एक शताब्दी वर्ष पूरे होने की याद दिलाएगा और उन दिग्गजों को सम्मानित करेगा जिन्होंने देश को गौरव दिलाया है। साथ ही यह खेल की उस स्थायी भावना का जश्न मनाएगा जो लाखों लोगों को प्रेरित करती रहती है। नई दिल्ली में समारोह सुबह 8:30 बजे शुरू होगा, जिसमें भारतीय हॉकी की गौरवशाली यात्रा के सार को दर्शाने वाले कई विशेष कार्यक्रम होंगे।

मांडविया ने कहा कि हम गौरव, दृढ़ता और राष्ट्रीय गौरव की एक शताब्दी का सम्मान करते हैं। यह मील का पत्थर हमारे उन नायकों को याद करने का अवसर है, जिन्होंने देश को सम्मान दिलाया और आगे बढ़ते हुए उनकी यात्रा से प्रेरणा लेने का अवसर है। हॉकी भारत के लिए केवल एक खेल से कहीं अधिक है। यह हमारी पहचान और सामूहिक भावना का हिस्सा है। 550 से अधिक जिलों में आयोजित होने वाले ये समारोह न केवल हमारी विरासत को उजागर करेंगे, बल्कि भारतीय हॉकी की कहानी को देश के कोने-कोने तक पहुंचाएंगे, जिससे युवा लड़के और लड़कियों को हॉकी स्टिक उठाकर जुनून के साथ खेलने की प्रेरणा मिलेगी। खेल मंत्री ने आगे कहा कि सरकार अधिक निवेश, आधुनिक बुनियादी ढांचे और संस्थागत सुधारों के माध्यम से भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है।

राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित: जितेश शर्मा कप्तान, वैभव सूर्यवंशी को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी। विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि पंजाब के ऑलराउंडर नमन धीर उपकप्तान होंगे। वहीं, युवा बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर तक कतर में खेला जाएगा। भारत को ग्रुप बी में ओमान, यूएई और पाकिस्तान ए के साथ रखा गया है। टीम 14 नवंबर को यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। मुकाबले वेस्ट एंड इंटरनेशनल

क्रिकेट स्टेडियम, दोहा में खेले जाएंगे। वहीं, ग्रुप ए में बांग्लादेश ए, हांगकांग, अफगानिस्तान ए और श्रीलंका ए की टीमें होंगी। प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नहल वढेरा, नमन धीर (उपकप्तान), सूर्यांश शेजगे, जितेश शर्मा (कप्तान/विकेटकीपर), रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैषक, युधवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुयश शर्मा। स्टैंडबाय खिलाड़ी: गुरनूर सिंह बरार, कुमार कुशाग्र, तनुष कोटियन, समीर रिजवी, शेख राशिद।

टिम सीफर्ट उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम सीफर्ट आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी दाहिनी तर्जनी उंगली में फ्रैक्चर हुआ है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को प्रेस रिलीज़ जारी कर इसकी पुष्टि की।

सीफर्ट नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से फोर्ड ट्रॉफी में वेलिंगटन फायरबर्ड्स के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हो गए थे। बाद में स्कैन में उनकी उंगली में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने सीफर्ट की चोट पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'हम सभी टिम के लिए दुखी हैं। वह हमारी टी20 टीम के अहम सदस्य हैं। शीर्ष क्रम पर उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग दोनों ही टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उम्मीद है कि वह जल्द स्वस्थ होकर मैदान पर लौटेंगे। ' सीफर्ट की जगह मिच हाय को टीम में शामिल किया गया है। हाय अब

तक न्यूजीलैंड के लिए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और उनके नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक पारी में सबसे ज्यादा 6 डिसमिसल्स का विश्व रिकॉर्ड भी है। कोच वॉल्टर ने कहा, 'मिच ने अब तक अपने सीमित अंतरराष्ट्रीय मौकों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वह एक उच्च स्तर के विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और टीम में अच्छी गहराई का उदाहरण पेश करते हैं। ' वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की यह टी20 सीरीज 5 नवंबर (बुधवार) से ऑकलैंड के ईडन पार्क में शुरू होगी।

जैक लीच ने सॉमरसेट के साथ करार बढ़ाया, ईसीबी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हुए बाहर

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के स्पिनर जैक लीच ने अपने काउंटी क्लब समरसेट के साथ नया करार किया है। उन्होंने यह फैसला तब लिया जब उन्होंने खुलासा किया कि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से रिलीज़ कर दिया है। लीच ने अब तक इंग्लैंड के लिए 39 टेस्ट मैच खेले हैं। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच पिछले साल पाकिस्तान दौरे पर था। इस सीज़न में वे काउंटी चैम्पियनशिप में 50 विकेट लेने वाले एकमात्र स्पिनर रहे, लेकिन इसके बावजूद इंग्लैंड टीम में उनकी जगह अब विल जैक्स को बैकअप स्पिनर के तौर पर चुना गया है। लीच 2021-22 सीज़न से ईसीबी के साथ सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में थे, लेकिन अब वे अपने होम क्लब समरसेट के साथ ही खेलना जारी रखेंगे। समरसेट ने घोषणा की कि लीच ने अपना करार दो साल बढ़ाकर 2028 तक कर लिया है। इंग्लैंड ने अभी तक 2025-26 सीज़न के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा नहीं की है, लेकिन लीच ने बीबीसी से बातचीत में बताया कि उन्हें मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की ने सूचित किया था कि उनका कॉन्ट्रैक्ट नवीनीकृत नहीं किया जाएगा। लीच ने एक बयान में कहा कहा, 'मेरा कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था, और रॉब की ने मुझे बताया कि मुझे एशेज़ स्क्वॉड में भी शामिल नहीं किया जाएगा। यह मेरे लिए बहुत निराशाजनक था क्योंकि यही मेरा लक्ष्य था। अब मैं खुद को बेहतर बनाने और दोबारा टीम में जगह बनाने की कोशिश करूंगा। ' वहीं, लीच की जगह इंग्लैंड के मुख्य स्पिनर बने शोएब बशीर के समरसेट छोड़ने की संभावना है,

क्योंकि उन्होंने इस सीज़न में क्लब के लिए किसी भी प्रारूप में नहीं खेला। माना जा रहा है कि उन्हें ईसीबी की ओर से नया कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा। इसके अलावा, ससेक्स ने बल्लेबाज ऑलराउंडर जैक लीनिंग को केंट से तीन साल के करार पर साइन किया है।

विश्व कप की ऐतिहासिक जीत पर बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट टीम के लिए 51 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूरे देश में जश्न का माहौल है, जिसने भारतीय क्रिकेट के स्वर्ण अध्याय में एक नया पन्ना जोड़ दिया है। इस अभूतपूर्व सफलता के सम्मान में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयन समिति के लिए कुल 51 करोड़ रुपये के नकद इनाम की घोषणा की है। बीसीसीआई ने कहा कि यह पुरस्कार खिलाड़ियों के असाधारण प्रदर्शन, समर्पण और देश को गौरवान्वित करने में उनके योगदान की पहचान है। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और सभी संबंधित इकाइयों ने मिलकर इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाया है, जिसने देशभर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के सपनों को साकार किया। बोर्ड ने इस अवसर पर जय शाह की महत्वपूर्ण भूमिका की भी सराहना की, जो पहले बीसीसीआई के मानद सचिव के रूप में और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। अपने बीसीसीआई कार्यकाल के दौरान जय शाह ने महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कई अहम कदम उठाए – जैसे घरेलू ढांचे को मजबूत करना, नए टूर्नामेंट शुरू करना और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना। आईसीसी अध्यक्ष के रूप में उन्होंने महिला क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में ठोस पहल की। उनके नेतृत्व में आईसीसी ने महिला विश्व कप के लिए पुरस्कार राशि में ऐतिहासिक वृद्धि की घोषणा की, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि महिला खिलाड़ियों को पुरुष खिलाड़ियों के समान मान-सम्मान मिले। बीसीसीआई ने कहा कि भारत में महिला क्रिकेट की यात्रा – साधारण शुरुआत से लेकर विश्व चैम्पियन बनने तक – जय शाह की दूरदर्शी सोच और महिला क्रिकेट के पेशेवर विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है। बोर्ड ने जय शाह के नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह खिताब वर्षों की मेहनत, निवेश और मजबूत आधारभूत ढांचे का नतीजा है।

इस जीत से देशभर में युवा लड़कियों के बीच क्रिकेट के प्रति रुचि और बढ़ेगी तथा जमीनी स्तर पर कार्यक्रमों का विस्तार होगा। बीसीसीआई ने आश्वासन दिया कि वह इस गति को बनाए रखेगा – महिला क्रिकेट में निवेश जारी रहेगा, घरेलू ढांचे को और मजबूत किया जाएगा और आने वाली पीढ़ियों को विश्वस्तरीय खिलाड़ी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा, 'पूरे बोर्ड की ओर से भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इस ऐतिहासिक विश्व चैंपियनशिप जीत पर हार्दिक बधाई। टीम की दृढ़ता, प्रतिभा और एकजुटता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। यह जीत बीसीसीआई के उस विश्वास और निवेश को सही साबित करती है, जो हमने महिला क्रिकेट को विश्वस्तरीय बनाने के लिए किया। ' सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, 'यह असाधारण उपलब्धि निरंतर तैयारी, बेहतरीन रणनीति और महिला खिलाड़ियों के अटूट विश्वास का परिणाम है। कोचिंग स्टाफ, सपोर्ट स्टाफ और सभी राज्य संघों ने इस यात्रा में योगदान दिया है। यह जीत पूरे भारतीय क्रिकेट परिवार के लिए गर्व का क्षण है। ' उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'इस सफलता की यात्रा कई छोटे-छोटे कदमों से शुरू हुई थी – जैसे घरेलू टूर्नामेंटों का विस्तार, बेहतर सुविधाएं और समान अवसर।

69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता 11 नवम्बर से, डीएम ने की बैठक

एजेंसी

बरेली । जिले में 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई । यह प्रतियोगिता 11 से 15 नवम्बर तक पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज बरेली में होगी। बैठक में बताया गया कि प्रतियोगिता में अंडर-17 आयु वर्ग के बालक और बालिका वर्ग की टीमें हिस्सा लेंगी। देश भर से 44 बालक टीम और 44 बालिका टीम प्रतियोगिता

में भाग लेंगी। कुल 1056 खिलाड़ी इस राष्ट्रीय आयोजन में शामिल होंगे। प्रत्येक टीम के लिए एक-एक लाइजनिंग अधिकारी तैनात किए जा रहे हैं, जबकि 6 नवम्बर तक खिलाड़ियों का पंजीकरण किया जाएगा। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी जरूरी तैयारियां करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक यातायात मो. अकमल खान, संयुक्त निदेशक शिक्षा, डीआईओएस, एआरटीओ (प्रवर्तन) और जिला सूचना अधिकारी समेत सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

खिलाड़ियों को संसाधनों की कमी नहीं होने देगें : अमरपाल मौर्य

एजेंसी

प्रतापगढ़। जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य ने खेल उत्सव का शुभारम्भ करने के बाद कहा कि खिलाड़ियों को खेल सामग्री या संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जायेगी। जो भी आवश्यकता होगी उसे मैं अपने सांसद निधि से उपलब्ध कराऊँगा। राज्यसभा सांसद ने कहा कि जनपद प्रतापगढ़ के गौरव के लिये मैं अपना पूरा योगदान और समर्पण देने का संकल्प लेता हूँ। हमारा उद्देश्य है कि प्रतापगढ़ का हर खिलाड़ी पूरी निष्ठा और आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सके।खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे मन और मस्तिष्क स्वस्थ रहते हैं। एमएलसी अवनीश पटेल ने कहा कि खेल के आयोजन से कई महत्वपूर्ण चीजों को सीखने का मौका मिलता है। यह सांसद खेल उत्सव न केवल खेल प्रतिभाओं को सामने लाएगा, बल्कि युवाओं में फिटनेस, अनुशासन और टीम भावना को भी मजबूत करेगा। कुश्ती, दौड़, कबड्डी, वालीवाल आदि प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया गया और प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने कहा कि सांसद खेल उत्सव का कार्यक्रम पूरी सफलता और भव्यता के साथ सम्पन्न होगा। खेल के माध्यम से बच्चों में जागरूकता आयेगी और खिलाड़ियों को समान अवसर मिलेगें। खेल के माध्यम से बच्चे अपनी प्रतिभाओं को निखार सकते हैं। उन्होने इस दौरान सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं धन्यवाद दिया। प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, वॉलीबॉल, कबड्डी का आयोजन हुआ। जिसमें 100 मीटर बालिका में पायल प्रथम, शैल मौर्य द्वितीय, अंचित मौर्य तृतीय, 800 मीटर बालक में हंसदीप विश्वकर्मा प्रथम, मनीष द्वितीय, काशान तृतीय, 17 वर्षीय 800 मीटर बालक में अक्षय प्रथम, रिजवान द्वितीय विकास तृतीय, कुश्ती 38 किग्रा बालिका में रिया गिरी प्रथम, स्वाति द्वितीय, 41 किग्रा में आज्ञा पटेल प्रथम, रिया यादव द्वितीय, 45 किग्रा में बबीता प्रथम, आशी द्वितीय, 35 किग्रा में आयुषी प्रथम, इति सिंह द्वितीय, 38 किग्रा में रितेश पांडे प्रथम, 45 किग्रा में हेमंत प्रथम, शिवम द्वितीय, 53 किग्रा में विनीत गुप्ता प्रथम, सागर द्वितीय रहे। कबड्डी 17 वर्षीय बालिका में राजकीय इंटर कॉलेज सराय आना देव विजेता, स्पोर्ट्स स्टेडियम प्रतापगढ़ उपविजेता, 14 वर्षीय बालिका बॉलीबॉल में उच्च प्राथमिक विद्यालय मल्हूपुर मांधाता विजेता, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय लक्ष्मणपुर उपविजेता, बालक में बी एस एस एकेडमी विजेता, राजकीय इंटर कॉलेज सराय आना देव उप विजेता, 17 वर्षीय बालक में रानीगंज विजेता, बी एस एस एकेडमी उपविजेता, बालिका में स्पॉटिंग क्लब विजेता, मांधाता उपविजेता रहे। शेष कबड्डी की प्रतियोगिता चल रही है।

खेल से पैदा होता है सौहार्द और समन्वय : डॉ. दिनेश शर्मा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री और भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र के सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विराट खेल महोत्सव का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव खेल प्रतिभाओं को सामने लाने का माध्यम बन चुका है। खेल से सौहार्द और समन्वय बनता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसद खेल प्रतियोगिता की पहल करके देशभर में खेल के प्रति एक नया उत्साह पैदा कर दिया है। इसका परिणाम है कि गांव और शहरों से निकली प्रतिभाएं देश विदेश में विजय/सफलता का परचम लहरा रही हैं। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल समाज में जाति धर्म के बंधन को तोडता भी है। खेल में हार जीत लगी रहती है और खिलाडियों को हार

से निराश नहीं होना चाहिए। खेल के क्षेत्र में अब तमाम तरह के व्यवसायिक अवसर उपलब्ध हैं। सरोजिनी नगर के विधायक राजेश्वर सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह नारी सशक्तीकरण का प्रतीक है। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने इस अवसर पर खिलाड़ियों को सम्मानित किया। विधायक राजेश्वर सिंह ने कार्यक्रम में लगे भाजपा कार्यकर्ताओं और मंचासीन पदाधिकारियों का सम्मान किया। इस अवसर पर सदस्य विधान परिषद रामचंद्र प्रधान, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री वीरेंद्र तिवारी, अध्यक्ष सहकारी बैंक वीरेंद्र प्रताप सिंह, क्षेत्रीय पार्षद सौरभ सिंह मोनू, डॉ. संजय चतुर्वेदी, शंकरी सिंह व मंडल अध्यक्ष विनोद मौर्या आदि उपस्थित रहे।

बास्केटबाल में एसवीएन 'बी' को तिहरा और वॉलीबाल में दोहरा खिताब

एजेंसी

प्रयागराज। शकुन विद्या निकेतन बी ने कलरव में आयोजित बास्केटबाल प्रतियोगिता के अंडर-14 एवं अंडर-19 बालक वर्ग और अंडर-19 बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले जीतकर तिहरा खिताब हासिल किया। वॉलीबाल में शकुन विद्या निकेतन ने अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक वर्ग के खिताब पर कब्जा जमाया। शकुन विद्या निकेतन देवरख नैनी में खेले गये बास्केटबाल के बालक वर्ग के फाइनल मुकाबलों में अंडर-14 आयु वर्ग में शकुन विद्या निकेतन बी ने संस्कार इंटरनेशनल स्कूल को, अंडर-17 में शकुन विद्या निकेतन ए ने संस्कार इंटरनेशनल स्कूल को, अंडर-19 में शकुन विद्या निकेतन बी ने शकुन विद्या निकेतन ए को हराया। बालिका वर्ग में अंडर-14 आयु वर्ग पतंजलि ऋषिकुल स्कूल ने संस्कार इंटरनेशनल स्कूल को और अंडर-19 में शकुन विद्या निकेतन बी ने शकुन विद्या निकेतन ए को हराया। वॉलीबाल में अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल में शकुन विद्या निकेतन ने देव स्पोर्ट्स स्कूल को और अंडर-19 आयु वर्ग के फाइनल में शकुन विद्या निकेतन ने केवीएस नैनी को हराया। प्रतियोगिता का समापन महापौर गणेश केसरवानी ने किया। शकुन विद्या निकेतन की प्रधानाचार्या शकुन्तला मिश्रा ने महापौर का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

नौ नवम्बर से शुरू होगी अयोध्या प्रीमियर लीग, 26 नवम्बर तक चलेगा पहला सीजन

एजेंसी

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की नगरी अयोध्या अब खेल जगत में भी नया इतिहास रचने जा रही है। योगी सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम अब पूरी तरह तैयार हो गया है। इसी अत्याधुनिक स्टेडियम में अयोध्या प्रीमियर लीग (एपीएल) का पहला सीजन 9 नवंबर से शुरू होकर 26 नवंबर तक खेला जाएगा। यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के तत्वावधान में जिला क्रिकेट संघ अयोध्या द्वारा आयोजित की जा रही है। टूर्नामेंट ञ्-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा।

आठ टीमों के बीच होगा रोमांचक मुकाबला

एपीएल में कुल आठ टीमें भाग लेंगी- सरयू समशेर, गंगा ग्लैडिएटर्स, जमुना जायंट्स, बेतवा ब्रेव्स, हिंडन हीरोज, चंबल चैलेंजर्स, गोमती ग्लैक्सीज़ और मनोरमा मार्वल्स।

सभी टीमों के नाम उत्तर प्रदेश की पवित्र नदियों पर रखे गए हैं, जो प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और विरासत का प्रतीक हैं।

खिलाड़ियों का चयन और टीम संरचना: टीमों के खिलाड़ियों का चयन यूपीसीए के अनुभवी चयनकर्ताओं द्वारा ट्रायल के माध्यम से किया गया है। हर टीम में 16

खिलाड़ी होंगे, जिनमें 11 अयोध्या मंडल से और 5 अतिथि खिलाड़ी शामिल होंगे। प्रतियोगिता में कुल 29 मैच खेले जाएंगे। सभी मैच कलर ड्रेस और सफेद गेंद से खेले जाएंगे।

आकर्षक इनामी राशि

विजेता टीम को 11 लाख रुपये और उपविजेता को 5.5 लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि दी जाएगी।

भव्य शुभारंभ समारोह 9 नवंबर को

एपीएल का शुभारंभ 9 नवंबर, रविवार सुबह 10 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, डाभा सेमर, अयोध्या में होगा। उद्घाटन मुकाबला सरयू समशेर और मनोरमा मार्वल्स के बीच खेला जाएगा।

ऑनलाइन टिकट और लाइव प्रसारण की सुविधा

दर्शक प्रतियोगिता के लिए टिकट ऑनलाइन वेबसाइटUwww.wildcardtickets.comसे खरीद सकेंगे। टूर्नामेंट का सजीव प्रसारण राष्ट्रीय टीवी चैनलों और OTT प्लेटफॉर्म्स पर किया जाएगा।

आईपीएल और यूपी ञ्20 के खिलाड़ी भी लेंगे हिस्सा

एपीएल में कई खिलाड़ी ऐसे भी भाग लेंगे जिन्होंने आईपीएल और यूपी टी20 जैसी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए यूपीसीए अपैक्स काउंसिल सदस्य एवं अयोध्या जिला क्रिकेट संघ के सचिव उमेर अहमद ने बताया कि यह आयोजन प्रदेश के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए प्रेरित करेगा।प्रेस वार्ता में डायरेक्टर वैभव श्रीवास्तव सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद शेयर बाजार में मामूली बढ़त, निवेशकों ने कमाए 2.23 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब सवा दो लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। आज दिन भर कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.71 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,22,990 रुपये से लेकर 1,23,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,12,740 रुपये से लेकर 1,12,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,51,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,23,140 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,23,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,22,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,12,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,22,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

पाइन लैब्स ने प्राइस बैंड का किया ऐलान, सात नवंबर को खुलेगा 3,899.91 करोड़ का पब्लिक इश्यू

नई दिल्ली। फिनटेक यूनिकॉर्न पाइन लैब्स के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 210 रुपये से लेकर 221 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 67 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 3,899.91 करोड़ रुपये का है। पाइन लैब्स का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 7 नवंबर को खुलेगा। निवेशक इसमें 11 नवंबर तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 13 नवंबर को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 14 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 67 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,807 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,491 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,080 करोड़ रुपये के 9,41,17,647 नए शेयर जारी हो रहे हैं।

रुपया छह पैसे कमजोर

मुंबई। अंतरबैंकिग मुद्रा बाजार में रुपये में लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गयी और यह 6.50 पैसे की गिरावट के साथ 88.77 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 1.50 पैसे टूटकर 88.7050 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये की शुरुआत आज 2.50 पैसे नीचे 88.73 रुपये प्रति डॉलर पर हुई और इसके बाद यह और टूटकर 88.80 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार से पैसा निकालने और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर में रही तेजी से रुपया कमजोर हुआ है।

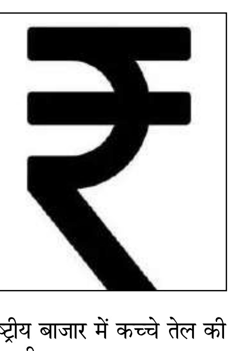

हालांकि शेयर बाजार की तेजी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये की गिरावट सीमित रही।

छत्तीसगढ़ से कोस्टारिका को फोर्टिफाइड चावल की गिरी का पहला निर्यात

एजेंसी

रायपुर। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने छत्तीसगढ़ से कोस्टारिका को 12 मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल की गिरी (एफआरके) की पहली निर्यात खेप सुगम बनाई है। रायपुर स्थित स्पंज एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड ने इस पहली खेप का निर्यात किया है । शासन द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी कार्यक्रम कुपोषण मुक्त भारत के अनुरूप है, जिसे पोषण अभियान के तहत क्रियान्वित किया जा रहा है। जिसके माध्यम से भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) पूरे देश में फोर्टिफाइड चावल वितरित कर रहा है। फोर्टिफाइड चावल की गिरी का निर्यात भारत के घरेलू पोषण मिशन को वैश्विक पहुँच के साथ एकीकृत करने की दिशा में

एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का उद्देश्य कुपोषण और एनीमिया जैसी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से लड़ना है, साथ ही भारतीय कृषि निर्यात पोर्टफोलियो को मजबूत करना है। छत्तीसगढ़ ने चावल और फोर्टिफाइड चावल उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जिससे राज्य के किसानों, मिल मालिकों और निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहचान मिल रही है। कोस्टारिका को एफआरके का सफल निर्यात पोषण-समृद्ध खाद्य उत्पादों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में छत्तीसगढ़ की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।इस अवसर पर एपीडा के अध्यक्ष, अभिषेक देव ने इस उपलब्धि को हासिल करने में शामिल निर्यातकों और हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत से फोर्टिफाइड चावल का निर्यात न केवल देश के कृषि-निर्यात पोर्टफोलियो को मजबूत करता है, बल्कि विज्ञान-आधारित और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त खाद्य समाधानों के माध्यम से कुपोषण को दूर करने की हमारी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता है। उन्होंने फोर्टिफाइड और मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों के लिए बाजारों के विस्तार में निर्यातकों को एपीडा के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। छत्तीसगढ़ चावल निर्यातक संघ (टीआरईए-सीजी) के अध्यक्ष, मुकेश जैन ने खेप की सुविधा के लिए एपीडा द्वारा दिए गए समर्थन की सराहना की और कहा कि आने वाले दिनों में नए गंतव्यों के लिए एफआरके के निर्यात की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ से कृषि निर्यात बढ़ाने में एपीडा के निरंतर सहयोग की भी माँग की। रायपुर स्थित स्पंज एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड ने 12 मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल की गिरी का निर्यात किया है।

भारत-रोमानिया के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने पर सहमति

एजेंसी

बुखारेस्ट। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद और रोमानिया की विदेश मंत्री ओआना-सिल्विया त्सोइउ की मंगलवार को बुखारेस्ट में हुई द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों ने व्यापार, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई। बैठक में इस वर्ष भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने का भी निर्णय लिया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, बैठक में ऊर्जा, इंजीनियरिंग, दवा और सिरेमिक जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई। साथ ही निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने और बाजार तक पहुंच आसान करने के कदमों पर भी सहमति बनी। बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों की

समीक्षा की गई। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का रोमानिया को निर्यात 1.03 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया, जबकि 2023-24 में कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 2.98 अरब डॉलर तक पहुंचा। बैठक में आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने, मानकों और परीक्षण प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा उत्पादन साझेदारी को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने उच्च स्तरीय संपर्कों को जारी रखने, व्यापार प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और निवेशक पहुंच बढ़ाने के लिए नियमित संवाद की रूपरेखा तैयार करने का निर्णय लिया।

स्टॉक मार्केट में गेमचेंजर्स टेक्सफैब की मजबूत एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। फैब्रिक इंडस्ट्री के लिए काम करने वाली कंपनी गेम चेंजर्स टेक्सफैब के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करने में सफलता हासिल की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 102 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग करीब 2.11 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 104.15 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 108 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.88 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। गेम चेंजर्स टेक्सफैब का 54.84 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स

(एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.48 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.18 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 53.76 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 53 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.27 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 12.07 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

हिंदुजा समूह आंध्र प्रदेश में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा

एजेंसी

अमरावती। ब्रिटेन के दौरे पर गए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हिंदुजा समूह के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस समूह ने आंध्र प्रदेश में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में आंध्र प्रदेश सरकार और हिंदुजा समूह के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कंपनी विशाखापत्तनम स्थित हिंदुजा पावर प्लांट की क्षमता 1,600 मेगावाट बढ़ाने, रायलसीमा पावर प्लांट, मल्लावल्ली में इलेक्ट्रिक बसें और हल्के वाहन निर्माण संयंत्र, पूरे आंध्र प्रदेश में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क और एक हरित परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में चरणबद्ध तरीके से निवेश करेगी।

मुख्यमंत्री ने ऑक्टोपस एनर्जी इंटरनेशनल के निदेशक क्रिस फिट्ज़गेराल्ड से भी मुलाकात की, जिसे लंदन में सबसे बड़े बिजली आपूर्तिकर्ता के रूप में जाना जाता है। कंपनी को आंध्र प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरावती और विशाखापत्तनम में नई ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड और डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में आंध्र प्रदेश में काम करने के अवसर हैं। उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश ने 160

गीगावाट हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। चंद्रबाबू नायडू ने उन्हें बिजली क्षेत्र में सरकारी नीतियों और इस क्षेत्र में आंध्र प्रदेश सरकार के निर्धारित लक्ष्यों के बारे में बताया।

उन्होंने ऑक्टोपस एनर्जी के प्रतिनिधियों को बताया कि स्वच्छ तकनीक के माध्यम से बिजली आपूर्ति नियंत्रण के क्षेत्र में काम करने के अवसर मौजूद हैं।

कॉप-30 में अनुकूलन संकेतक को सही बनाना एक बड़ा मुद्दा होगाः भूपेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि ब्राजील के बेलेम में होने वाले यूएन क्लाइमेट कॉन्फ्रेंस कॉप-30 में अनुकूलन संकेतक को सही बनाना एक बड़ा मुद्दा होगा। फ्रेमवर्क को विकसित देशों से वित्त, तकनीक हस्तांतरण और क्षमता निर्माण की सहायता के लिए पारदर्शी निगरानी भी मुमकिन बनानी होगी। इसमें जलवायु अनुकूलन सबसे अहम हैं, ताकि बढ़ते तापमान, बाढ़, सूखे और तूफानों के लिए समुदायों को तैयार कर सके। और समय रहते इनसे निपटने के उपाय तैयार कर सके। कॉप 30 सम्मेलन से पहले मीडिया से बातचीत में भूपेंद्र यादव ने कहा कि अनुकूलन पर दुनिया की प्रगति काफी धीमी, सीमित और बिखरी हुई रही है। इसे बदलने के लिए, देशों ने पेरिस एग्रीमेंट के तहत अनुकूलन की कोशिशों को ट्रैक करने और मजबूत करने के लिए ग्लोबल गोल ऑन अडॉप्टेशन (जीजीए) बनाया है। हालांकि 2015

में इस पर सहमति बनी थी, लेकिन यह लक्ष्य दुबई, यूएई में 2023 के यूएन क्लाइमेट समिट- कॉप-28 में ही आकार ले पाया, जहां देशों ने एक्शन के लिए एक बड़ा फ्रेमवर्क तय किया। यादव ने कहा कि हालांकि, इसमें अभी भी साफ टारगेट और फाइनेंस, टेक्नोलॉजी और कैपेसिटी बिल्डिंग में काफ़ी सपोर्ट की कमी है। 2025 में कॉप-30 में, देशों को ऐसे इंडिकेटर पर सहमत होकर जीजीए को बेहतर बनाना होगा जिन्हें मापा जा सके, ताकि दुनिया सही तरीके से प्रोग्रेस को ट्रैक कर सके और कमजोर समुदायों के लिए सुरक्षा बढ़ा सके। उन्होंने कहा कि ब्राजील में होने वाला जलवायु सम्मेलन बहुपक्षवाद (सभी देशों को एकमत करना) यानी जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करने पर सहमत होना भविष्य के लिए बहुत जरूरी होगा। पिछले महीने ब्रासीलिया में प्री- कॉप-30 में मंत्रियों की बैठक में अपने वक्तव्य के बारे में केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि नवंबर में होने वाले 30वें यूएन क्लाइमेट समिट से यह मजबूत सिग्नल जाना चाहिए कि मल्टीलेटरलिज्म ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन का आधार बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन से लेकर गाजा तक, भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, दुनिया को जलवायु पर एकजुट होना चाहिए। भारत वैश्विक दक्षिण का प्रतिनिधित्व करता है और वार्ता में समानता की वकालत करता है,। भूपेंद्र यादव ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2014 में नवीकरण ऊर्जा की क्षमता 2.7 गीगावाट थी जो आज बढ़कर 127 गीगावाट हो गई है–जो 45 गुना वृद्धि है।

भारत और न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता का चौथा दौर शुरू, समावेशी व्यापार ढांचे की प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने एक दूरदर्शी और समावेशी व्यापार ढांचा विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता का चौथा दौर आज ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में शुरू हुआ। इस दौर की वार्ताएं वस्तुओं के व्यापार, सेवाओं के व्यापार और मूल नियमों सहित प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार दोनों पक्ष पिछले दौरों में प्राप्त प्रगति को आगे बढ़ाने, लंबित मुद्दों पर सहमति बनाने और एफटीए के शीघ्र

समापन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए रचनात्मक रूप से काम कर रहे हैं। यह दोनों देशों के बीच एक संतुलित, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में एक और कदम है। उल्लेखनीय है कि एफटीए का शुभारंभ 16 मार्च को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड सरकार के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के बीच बैठक के दौरान किया गया था।

खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त यूरिया : उर्वरक विभाग

एजेंसी

नई दिल्ली। उर्वरक विभागने कहा कि खरीफ फसलों के दौरान किसानों के लिए यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता सरकार द्वारा समय पर योजना और समन्वय के माध्यम से सुनिश्चित की गई है। उर्वरक विभाग ने समय रहते योजना बनाकर और भारतीय रेल, बंदरगाहों, राज्य सरकारों व उर्वरक कंपनियों के साथ तालमेल कर देशभर में यूरिया की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आकलित 185.39 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) की अनुमानित मांग के मुकाबले, उर्वरक विभाग ने 230.53 एलएमटी उपलब्ध कराई, जबकि बिक्री मात्र 193.20 एलएमटी रही। इससे यह स्पष्ट होता है कि देश में यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता रही। उर्वरक विभाग ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में खरीफ 2025 के दौरान किसानों ने लगभग 4.08 लाख मीट्रिक टन अधिक यूरिया का उपयोग किया, जो बेहतर वर्षा और बढ़े हुए खेती क्षेत्र का परिणाम है। घरेलू

Ministry of Chemicals & Fertilizers
Department of Fertilizers
Govt. of India

उत्पादन और खपत के बीच अंतर को पाटने के लिए सरकार ने आयात बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। अप्रैल से अक्टूबर 2025 के बीच भारत ने 58.62 लाख मीट्रिक टन कृषि ग्रेड यूरिया का आयात किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (24.76 लाख मीट्रिक टन) की तुलना में दोगुना से अधिक है। इससे खरीफ 2025 की मांग पूरी होने के साथ-साथ रबी 2025-26 के लिए पर्याप्त बफर स्टॉक भी तैयार हुआ। 1 अक्टूबर 2025 को देश में 48.64 लाख मीट्रिक टन का स्टॉक था जो 31 अक्टूबर तक बढ़कर 68.85 लाख मीट्रिक टन हो गया। जुलाई से अक्टूबर 2025 के बीच राज्यों को यूरिया की आपूर्ति (रेक मूवमेंट) भी अब तक के उच्चतम स्तर पर रही।

घरेलू उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की गई है। अक्टूबर 2025 में 26.88 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हुआ, जो पिछले वर्ष से 1.05 लाख मीट्रिक टन अधिक है। अप्रैल से अक्टूबर के बीच औसत मासिक उत्पादन लगभग 25 लाख मीट्रिक टन रहा। नवंबर और दिसंबर के लिए 17.5 लाख मीट्रिक टन आयात पहले ही तय किया जा चुका है। देश में उत्पादन क्षमता बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। असम के नमरूप और ओडिशा के तालचर में प्रत्येक 12.7 लाख मीट्रिक टन वार्षिक क्षमता वाले दो नए यूरिया संयंत्र निर्माणाधीन हैं। विभाग ने बताया कि उत्पादन बढ़ाने के कई प्रस्ताव विचाराधीन हैं, जिनके पूरा होने से भारत की आयात निर्भरता घटेगी और यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) प्राप्त होगी। राज्यों के कृषि विभागों को वितरण प्रणाली में दक्षता बढ़ाने और यूरिया के दुरुपयोग, तस्करी, जमाखोरी व काला बाजार पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। कई राज्यों ने पारदर्शिता और निगरानी के लिए नवाचारपूर्ण डिजिटल उपकरण लागू करना शुरू कर दिया है। संपूर्ण अग्रिम योजना, कुशल लॉजिस्टिक्स और ठोस समन्वय के माध्यम से भारत सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक किसान को समय पर यूरिया उपलब्ध हो, जो देश की कृषि वृद्धि और खाद्य सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

जयेश लॉजिस्टिक्स की स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों को हुआ नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इसके पड़ोसी देशों में लॉजिस्टिक सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी जयेश लॉजिस्टिक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 122 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग करीब 1.64 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 120 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर गिर कर 114 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली करके लोअर सर्किट ब्रेक कर दिया। इसके बावजूद ये शेयर कभी भी मुनाफे में नहीं आ सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद जयेश लॉजिस्टिक्स के शेयर 117.80 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 4.20 रुपये यानी 3.44 प्रतिशत का नुकसान हो गया। जयेश लॉजिस्टिक्स का 28.63 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 65.59 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 40.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 138.75 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 51.79 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 23.47 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी साइड वॉल ट्रेलर्स की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.09 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.16 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 7.20 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

यरटेल का मुनाफा 69 प्रतिशत बढ़कर 6,792 करोड़ रुपये पर

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी एयरटेल को वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में समग्र आधार पर 6,792 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 68.76 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि साल-दर-साल उसका कुल राजस्व 25.7 प्रतिशत बढ़कर 52,145 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने भारतीय कारोबार से 38,690 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया जो सालाना आधार पर 22.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मोबाइल टेलीफोनी सेवा से प्राप्त राजस्व में 13.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि प्रति यूजर औसत राजस्व (एआरपीयू) एक साल पहले के 233 रुपये से बढ़कर 256 रुपये पर पहुंच गयी।एयरटेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक गोपाल विट्ठल ने एक बयान में कहा कि ये परिणाम कंपनी के पोर्टफोलियो की मजबूती को दर्शाते हैं। भारत में कंपनी का राजस्व (पैसिव बुनियादी अवसंरचना सेवा सहित) 2.9 प्रतिशत बढ़ा। अफ्रीका में एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला और स्थिर मुद्रा में राजस्व 7.1 प्रतिशत बढ़ा। उन्होंने बताया कि भारतीय मोबाइल कारोबार की वृद्धि दर 2.6 प्रतिशत रही और 51 लाख स्मार्टफोन सबस्क्राइबरों को जोड़ा गया। तिमाही के दौरान पोस्टपेट सिग्मेंट सबस्क्राइबरों की संख्या 10 लाख बढ़ी।

भारत-फ्रांस सहयोग के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा पूर्वोत्तर - ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी

गुवाहाटी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यहां भारत-फ्रांस पूर्वोत्तर निवेश फोरम में शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान कहा कि पूर्वोत्तर तेजी से भारत-फ्रांस सहयोग के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने इस फोरम को 'विजन और उद्यम के बीच एक सेतु' बताया, जो भारत और फ्रांस के बीच स्थायी साझेदारी का जश्न मनाता है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी न केवल संधियों से, बल्कि विश्वास से भी बंधी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत-फ्रांस संबंध दुनिया की सबसे व्यापक रणनीतिक साझेदारियों में से एक बन गए हैं, जिसमें 'रणनीति को आत्मा से और नवाचार को समावेशिता से' जोड़ा गया है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि रक्षा और अंतरिक्ष सहयोग से लेकर स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल परिवर्तन और टिकाऊ शहरों तक, यह साझेदारी वैश्विक प्रगति के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सिंधिया ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रमुख उपलब्धियों पर

प्रकाश डाला, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद द्वारा शुरू किया गया अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (2015), स्मार्ट शहरों और शहरी बुनियादी ढांचे में सहयोग, आत्मनिर्भर भारत के साथ राफेल साझेदारी, और पेरिस के एफिल टॉवर (2024) में यूपीआई का शुभारंभ शामिल है, जिसने भारत की फिनटेक क्रांति को यूरोप तक पहुंचाया।

उन्होंने कहा, 'आज, हम उस प्रकाश को भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र तक पहुंचा रहे हैं, जो तेजी से भारत-फ्रांस सहयोग के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। ' सिंधिया ने जोर देकर कहा कि कभी चारों ओर से भूमि से घिरा हुआ माना जाने वाला यह क्षेत्र अब 'भूमि से जुड़ा हुआ और भविष्य के लिए तैयार' है। भारत सरकार के 10 प्रतिशत जीबीएस आवंटन के तहत 6.2 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के साथ, इस क्षेत्र में 6,500 किलोमीटर नई सड़कों, 900 किलोमीटर रेलमार्गों और 17 हवाई अड्डों के संचालन के साथ-साथ भारतनेट के तहत 96 प्रतिशत गांवों को जोड़ा गया है।

सिंधिया ने मौजूदा फ्रांसीसी भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए टोटल एनर्जीज, एयरबस, डसॉल्ट सिस्टम्स, डेकाथलॉन और पीओएमए जैसे फ्रांसीसी नेतृत्व का उदाहरण दिया, जो पहले से ही हरित ऊर्जा, विमानन, डिजाइन नवाचार, खुदरा और टिकाऊ गतिशीलता के क्षेत्र में परिवर्तन को आकार दे रहे हैं।

इराक के प्रधानमंत्री बोले- अमेरिकी सेना की मौजूदगी तक हथियारबंद गुटों को निशस्त्र करना संभव नहीं

एजेंसी

बगदाद। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने कहा है कि देश में सभी हथियारों को राज्य के नियंत्रण में लाने का वादा तभी पूरा किया जा सकता है जब अमेरिकी नेतृत्व वाला गठबंधन पूरी तरह से इराक से हट जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सेना की उपस्थिति के रहते किसी भी सशस्त्र गुट को निशस्त्र करना व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि कई इराकी गुट अब भी अमेरिका को कब्जा करने वाली शक्ति के रूप में देखते हैं। सुदानी ने रायटर से बातचीत में कहा कि बहुराष्ट्रीय एंटी-आईएसआईएस गठबंधन को सितंबर 2026 तक पूरी तरह से इराक छोड़ देना चाहिए, क्योंकि अब इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) का खतरा काफी कम हो गया है। उन्होंने कहा, 'अब कोई आईएसआईएस नहीं है। सुरक्षा और स्थिरता है, तो फिर 86 देशों वाले गठबंधन की मौजूदगी का क्या औचित्य है? ' प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे ही विदेशी सैनिक चले जाएंगे, सरकार के पास एक स्पष्ट योजना होगी जिसके तहत 'राज्य संस्थानों के बाहर कोई हथियार नहीं रहेगा।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि गुटों के पास विकल्प होगा – या तो वे आधिकारिक सुरक्षा बलों में शामिल हो जाएं या फिर राजनीति में प्रवेश करें। सुदानी ने कहा कि इराक किसी भी कीमत पर क्षेत्रीय संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा।

तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन ने ली शपथ, चुनावी हिंसा के बीच शांति की अपील

डोडोमा। तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन ने अपने पहले निर्वाचित कार्यकाल के लिए शपथ ली। पिछले सप्ताह हुए विवादित चुनाव के बाद भड़की हिंसा में कई लोगों की मौत के बीच उन्होंने देश में शांति और एकता बनाए रखने की अपील की। 65 वर्षीय हसन, जो अफ्रीका की केवल दो महिला राष्ट्राध्यक्षों में से एक हैं, ने राजधानी डोडोमा स्थित स्टेट हाउस के सैन्य परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में पद की शपथ ली। समारोह में सोमालिया, बुरुंडी, मोजाम्बिक और जाम्बिया के राष्ट्रपति सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। हसन ने कहा, 'जीवन आगे बढ़ना चाहिए। हमारा कर्तव्य है कि हम आज को कल से बेहतर बनाएं। हमें अपनी एकता और सहयोग के मूल्यों की रक्षा जारी रखनी चाहिए।' उन्होंने विरोध प्रदर्शनों को हिंसक और विनाशकारी बताया। चुनाव परिणामों को लेकर विपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं। हसन को कुल 98 प्रतिशत मतों के साथ विजेता घोषित किया गया, जबकि उनके दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों को चुनाव से पहले ही अयोग्य ठहरा दिया गया था। विपक्षी दल CHADEMA का कहना है कि चुनाव 'पूरी तरह से फर्जी' थे। पार्टी को आचार संहिता पर हस्ताक्षर न करने के कारण चुनाव से बाहर कर दिया गया था, जबकि इसके नेता को अप्रैल में देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

जेन जी प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोली से मारे गए 45 युवाओं को शहीद का दर्जा देने का फैसला

काठमांडू। सरकार ने 'जेन जी आंदोलन' के दौरान मारे गए 45 व्यक्तियों को शहीद घोषित करने का निर्णय लिया है। सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी मंत्री और सरकार के प्रवक्ता जगदीश खरेल के अनुसार, सिंहदरबार में हुई मन्त्रिपरिषद् बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 8 और 9 सितंबर को काठमांडू तथा देश के अन्य हिस्सों में हुए आंदोलन के दौरान जिन 45 युवाओं की मृत्यु हुई थी, उन्हें राज्य की ओर से आधिकारिक रूप से शहीद के रूप में मान्यता दी जाएगी। प्रवक्ता खरेल ने बताया कि गृह मंत्रालय और अन्य संबंधित निकायों द्वारा की गई जांच के आधार पर अबतक 45 व्यक्तियों को शहीद घोषित किया गया है, जबकि कुछ अन्य मामलों पर अध्ययन कार्य जारी है।

चीन-जर्मनी के विदेश मंत्रियों के बीच फोन वार्ता, व्यापार और ताइवान पर हुई चर्चा

बीजिंग। चीन और जर्मनी के विदेश मंत्रियों ने फोन पर बातचीत की, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों, सुरक्षा और ताइवान के मुद्दे पर चर्चा हुई। यह जानकारी चीन के विदेश मंत्रालय ने दी है। जर्मन विदेश मंत्री योहान वेडफुल के प्रवक्ता ने बताया कि बातचीत के दौरान सुरक्षा, आर्थिक नीति और आपसी हितों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों मंत्रियों ने सहमति जताई कि हाल ही में स्थगित हुई वेडफुल की चीन यात्रा को जल्द ही पुनर्निर्धारित किया जाएगा। प्रवक्ता के अनुसार, चीन ने जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज को भी बीजिंग आने का आमंत्रण दोहराया है। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब जर्मनी में इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां चीन पर अत्यधिक निर्भर हैं।

चीन ने हाल के महीनों में सेमीकंडक्टर चिप्स और रेयर अर्थ मेटल्स (दुर्लभ धातुएं) के निर्यात पर पाबंदियां लगाई हैं, जो कारों में इस्तेमाल होने वाले जरूरी पुर्जों जैसे इलेक्ट्रॉनिक विंडो ओपनिंग सिस्टम के लिए जरूरी हैं। वार्ता के दौरान ताइवान का मुद्दा भी उठा। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने जर्मनी से अपेक्षा जताई कि वह ताइवान की स्वतंत्रता के किसी भी प्रयास का विरोध करेगा। वांग यी ने कहा, 'चीन ने जर्मनी के पुनर्एकीकरण का बिना शर्त समर्थन किया था और उम्मीद करता है कि जर्मनी, जिसने स्वयं विभाजन का दर्द झेला है, चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के प्रयासों को समझेगा और 'ताइवान स्वतंत्रता' के किसी भी कदम का विरोध करेगा। '

अमेरिका और सहयोगियों को संयुक्त राष्ट्र से मिल सकता है गाजा पर शासन करने का अधिकार

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र से अमेरिका को गाजा पर शासन करने का अधिकार मिल सकता है। संयुक्त राष्ट्र के मसौदा प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों को गाजा पर शासन करने और सुरक्षा प्रदान करने का व्यापक अधिकार दिया जाएगा। इस मसौदे की एक प्रति एक्सियोस समाचार साइट के हाथ लगी है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार ने एक्सियोस समाचार साइट की रिपोर्ट के हवाले से यह अहम जानकारी प्रसारित की है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पास गाजा में अंतरराष्ट्रीय बल स्थापित करने का प्रस्ताव भेजा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इसका विस्तृत मसौदा तैयार कर लिया है। प्रस्ताव का मसौदा अमेरिका और अन्य भागीदार देशों को गाजा पर शासन पट्टी की सीमाओं की सुरक्षा, नागरिकों और मानवीय क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और नए

करने और वहां सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने के लिए दो साल का व्यापक अधिकार देता है। रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल, इजराइल और मिस्र के साथ गाजा फिलिस्तीनी पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित करने का प्रभारी होगा। बल को स्पष्ट रूप से हमास को निशस्त्र करने का अधिकार होगा। बल गाजा पट्टी के विसैन्यीकरण की प्रक्रिया सुनिश्चित करके गाजा में सुरक्षा वातावरण को स्थिर करेगा। इसमें सैन्य, आतंकवादी और आक्रामक बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण को नष्ट करना और रोकना, साथ ही गैर-राज्य सशस्त्र समूहों के हथियारों को स्थायी रूप से नष्ट करना शामिल है।

मसौदे में यह भी कहा गया है कि यह बल गाजा समझौते के पक्ष में आवश्यक अतिरिक्त कार्य करेगा और इसका संचालन मिस्र और इजराइल के साथ घनिष्ठ परामर्श और सहयोग से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एक्सियोस का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित शांति बोर्ड को एक संक्रमणकालीन शासन प्रशासन के अधिकार देने का आह्वान किया गया है।

पेरू ने पूर्व प्रधानमंत्री के दूतावास में शरण लेने के बाद मेक्सिको के साथ राजनयिक संबंध तोड़े

एजेंसी

लीमा। पेरू ने मेक्सिको के साथ राजनयिक संबंध तोड़ने का फैसला किया। यह फैसला पेरू की पूर्व प्रधानमंत्री बेटसी शावेज के मेक्सिको दूतावास में शरण मांगने के बाद लिया गया है। शावेज पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कास्टिलो की सरकार में मंत्री रह चुकी हैं। पेरू के विदेश मंत्री ह्यूगो डे जेला ने यहां पत्रकारों को बताया ,पेरू के अधिकारियों को पता चला कि शावेज मेक्सिको के दूतावास में छिप गई हैं। उन्होंने कहा कि इस शत्रुतापूर्ण कृत्य के जवाब में, और मेक्सिको के वर्तमान तथा पूर्व राष्ट्रपतियों द्वारा पेरू के आंतरिक मामलों में बार-बार हस्तक्षेप को ध्यान में रखते हुए, पेरू सरकार ने मेक्सिको के साथ राजनयिक संबंध तोड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि अभी तक इस बारे में इससे अधिक कोई ब्यौरा नहीं दिया गया है। शावेज पर 2022 के अंत में राष्ट्रपति कास्टिलो द्वारा संसद भंग करने के प्रयास में कथित भूमिका के लिए आपराधिक आरोप लगे हैं। कास्टिलो को हटा दिया गया और वे अभी भी गिरफ्तार हैं। शावेज भी जून 2023 से जेल में थीं, लेकिन सितंबर में मुकदमे के दौरान उन्हें रिहा कर दिया गया था।इस बीच शावेज के वकील राउल नोब्लेसिला ने स्थानीय रेडियो स्टेशन आरपीपी को बताया कि उन्हें कई दिनों से अपनी मुवक्किल से कोई खबर नहीं मिली और उन्हें शावेज के मेक्सिकों दूतावास में शरण लेने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

अमेरिका में शटडाउन के बीच ट्रंप प्रशासन एसएनएपी के लिए आंशिक रूप से धनराशि उपलब्ध कराएगा

एजेंसी

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने घोषणा की है कि वह पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (एसएनएपी) को आंशिक रूप से धन उपलब्ध कराएगा। यह फैसला तब आया है जब अमेरिका में संघीय सरकार का शटडाउन 34वें दिन में पहुंच गया है, जो देश के इतिहास में सबसे लंबा बन सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा कि वह नहीं चाहते कि लोग सिर्फ इसलिए भूखे रहें क्योंकि विपक्ष सरकार खोलने के फैसले पर सहमत नहीं हो रहा है। इसलिए उन्होंने वकीलों से अदालत से यह स्पष्ट करने को कहा है कि एसएनएपी को कानूनी रूप से जल्द कैसे फंड किया जा सकता है। अमेरिकी कृषि विभाग ने अदालत में कहा कि 4.65 अरब डॉलर की आपात कोष राशि नवंबर महीने के एसएनएपी लाभों के लिए इस्तेमाल की जाएगी। इससे लगभग आधे पात्र परिवारों को मिलने वाली सहायता का 50 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो सकेगा। यह फैसला तब आया जब पिछले रोड आइलैंड की एक अदालत ने कृषि विभाग को आदेश दिया कि वह

इस आपात कोष का इस्तेमाल लाभार्थियों को भुगतान करने में करे। इसी दिन, मैसाचुसेट्स की एक अन्य अदालत ने भी कहा कि शटडाउन के कारण 1 नवंबर से एसएनएपी सहायता रोकने की सरकार की योजना संभवतः 'गैरकानूनी' थी, हालांकि न्यायाधीश ने प्रशासन को धनराशि जारी करने का आदेश नहीं दिया। ट्रंप प्रशासन पहले कह चुका था कि एसएनएपी के लिए उपलब्ध 5 से 6 बिलियन डॉलर की आपात राशि को कानूनी रूप से इस्तेमाल करना संभव नहीं है, जबकि नवंबर महीने के लाभों के लिए कुल 8 बिलियन डॉलर से अधिक की जरूरत होती है। एसएनएपी अमेरिका का सबसे बड़ा खाद्य सहायता कार्यक्रम है, जो करीब 42 मिलियन लोगों को भोजन खरीदने में मदद करता है। इन लाभार्थियों में अधिकतर लोग गरीबी रेखा पर या उससे नीचे जीवन यापन करते हैं।

ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बने तो संघीय सहायता रोकी जाएगी, ट्रंप की धमकी

एजेंसी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर में मेयर पद का चुनाव अंतिम दौर पर बेहद दिलचस्प हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुलकर सामने आ गए। उन्होंने प्रभावशाली उम्मीदवार जोहरान ममदानी की कड़ी आलोचना करते हुए सार्वजनिक रूप से एंड्रयू कुओमो का समर्थन किया। ट्रंप ने कहा ममदानी घोर कम्युनिस्ट है। अगर वह मेयर पद का चुनाव जीतते हैं तो न्यूयॉर्क शहर को मिलने वाली संघीय धनराशि रोक दी जाएगी।

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लंबी पोस्ट में यह भी चेतावनी दी कि ममदानी के नेतृत्व में न्यूयॉर्क शहर को आर्थिक और सामाजिक आपदा का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने लिखा, अगर कम्युनिस्ट उम्मीदवार ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क शहर के मेयर का चुनाव जीत जाते हैं, तो मैं अपने प्यारे पहले घर के लिए आवश्यक न्यूनतम राशि के अलावा, संघीय धनराशि रोक देंगे। कम्युनिस्ट ममदानी इस महान शहर को संभाल नहीं सकते है!

ट्रम्प ने यह भी कहा कि जो लोग कर्टिस स्लीवा को वोट देंगे, वह ममदानी को वोट देना जैसा होगा। उन्होंने मतदाताओं का आह्वान किया कि भले ही आप व्यक्तिगत रूप से एंड्रयू कुओमो को नापसंद करते हों पर उन्हें वोट जरूर दें। उम्मीद करिये वो शानदार काम करेंगे। इस पर ममदानी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। ममदानी ने कहा, न्यूयॉर्क वासियों के लिए सबसे अच्छा मेयर नहीं, बल्कि डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के लिए सबसे अच्छा मेयर चाहिए। ममदानी ने एलन मस्क के भी कुओमो का समर्थन करने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति और दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक दोनों के चुनाव के अंतिम समय में हस्तक्षेप के बावजूद वह ही जीतेंगे। ममदानी ने कुओमो को ट्रंप की कठपुतली भी कहा।

लेबनान के राष्ट्रपति ने सीमा पर तनाव के बीच इजरायल के साथ कूटनीति का आह्वान किया

एजेंसी

बेरूत । राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने कहा कि लेबनान के पास इजरायल के साथ बातचीत करने के अलावा कोई चारा नहीं है। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध से पहले कूटनीति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इन बयानों की पुष्टि की गई। आउन ने बाबदा पैलेस में अधिकारियों के साथ एक मीटिंग के दौरान कहा, 'राजनीति में तीन चीजें होती हैं- डिप्लोमेसी, इकॉनमी और युद्ध। जब युद्ध से कुछ हासिल नहीं होता, तो हम और क्या कर सकते हैं? दुनिया का हर युद्ध आखिरकार बातचीत से ही खत्म होता और बातचीत कभी भी किसी दोस्त या सहयोगी से नहीं, बल्कि दुश्मन से होती है।' उन्होंने आगे कहा कि 'बातचीत की भाषा युद्ध की भाषा से अधिक जरूरी है, जिससे हमने देखा है कि सिर्फ तबाही होती है।' उन्होंने लेबनान की लीडरशिप की डिप्लोमेटिक कोशिशों की तारीफ की, जिसमें

पार्लियामेंट के स्पीकर नबीह बेरी और प्रधानमंत्री नवाफ सलाम शामिल हैं। '

उन्होंने कहा कि लेबनान के नेशनल इंटरेस्ट को पॉलिटिकल, धार्मिक और सांप्रदायिक बातों से अधिक अहमियत मिलनी चाहिए। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने नेताओं से चुनावी महत्वाकांक्षाओं से ऊपर राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देने और उन सांप्रदायिक बंटवारे से आगे बढ़ने का आग्रह किया, जिन्होंने लंबे समय से देश की स्थिरता को कमजोर किया है।

अक्टूबर के आखिर में, आउन ने लेबनानी सेना को ब्लिडा के सीमावर्ती गांव पर हुए जानलेवा हमले के बाद दक्षिण में किसी भी इजरायली घुसपैठ का जवाब देने का आदेश दिया था, जिसका हिज्बुल्लाह नेता नईम कासिम ने स्वागत किया था। पिछले साल नवंबर के आखिर से इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता से हुआ सीजफायर लागू है, जिससे गाजा में युद्ध के कारण महीनों से चल रही सीमा पार दुश्मनी रुक गई है। युद्धविराम के बावजूद, इजरायल ने लेबनान में हमले करना जारी रखा है। हालांकि यह हमले लगातार नहीं किए जा रहे हैं, लेकिन इजरायल का कहना है कि वह हिज्बुल्लाह के 'खतरों' को निशाना बना रहा है। लेबनान और कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने इन हमलों की निंदा करते हुए इन्हें सीजफायर का उल्लंघन बताया है।

केन्या में बरसा कुदरत का कहर, भूस्खलन की चपेट में आने से 21 लोगों की मौत; 30 से ज्यादा लापता

एजेंसी

केन्या। केन्या में भूस्खलन की वजह से जानमाल की काफी क्षति हुई है। पश्चिमी केन्या के एल्गेयो मारकवेट काउंटी के कुछ हिस्सों में हुए भीषण भूस्खलन में कम से कम 21 लोगों की मौत हुई और 30 से ज्यादा लोग लापता हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय प्रशासन के कैबिनेट सचिव किपचुम्बा मुरकोमेन ने शनिवार को बताया कि गंभीर रूप से घायल 25 लोगों को बचा लिया गया है और नजदीकी अस्पतालों में उनका इलाज जारी है। कैबिनेट सचिव मुरकोमेन ने बचाव स्थल पर पत्रकारों से कहा, 'हमने इस त्रासदी में 21 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। 30 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं।

' उन्होंने कहा कि फिर से बचाव अभियान शुरू होगा, जिसमें सेना, पुलिस और स्थानीय समुदायों की टीमें जमीनी स्तर पर काम में शामिल होंगी। भारी बारिश के कारण काउंटी के कई गांवों तक पहुंच मुश्किल हो गई है। इस आपदा के बाद लगातार भूस्खलन और पहुंच में परेशानी की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में भी दिक्कत आ रही है। मुरकोमेन ने कहा कि प्रभावित परिवारों तक अतिरिक्त राहत सामग्री पहुंचाने की तैयारी चल रही है। इसके साथ ही इमरजेंसी और राहत पहुंच सुनिश्चित करने के लिए क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का काम भी जारी है। भूस्खलन के जोखिम वाले इलाकों से परिवारों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया गया। साथ ही आपातकालीन प्रतिक्रिया के तहत लापता व्यक्तियों की सूचना देने के लिए एक डेस्क स्थापित किया गया है।

अमेरिका में शटडाउन से हवाई अड्डे बुरी तरह प्रभावित, हजारों उड़ानें विलंबित

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका में शटडाउन की स्थिति एक महीने से भी ज़्यादा समय से चल रही है। इसका असर अब हवाई अड्डों पर साफ दिखने लगा है। कर्मचारियों की कमी के कारण उड़ानों में देरी और सुरक्षा जांच की लंबी लाइनें बढ़ती जा रही हैं। पिछले सप्ताहांत स्थिति और खराब हो गई। सिर्फ़ रविवार को ही पूरे अमेरिका में पांच हज़ार से ज़्यादा उड़ानें देर से चलीं। व्हाइट हाउस ने इसके लिए डेमोक्रेट नेताओं को जिम्मेदार बताया और कहा कि उनकी राजनीति की वजह से आम लोग परेशान हो रहे हैं। वहीं डेमोक्रेट दल का कहना है कि सरकार और राष्ट्रपति गलत आरोप लगा रहे हैं।

शटडाउन कब खत्म होगा, यह तय नहीं है। ऐसे में यातायात विभाग ने चेतावनी दी है कि आगे और उड़ानें देर से चलेंगी या रद्द भी हो सकती हैं।

हवाई यातायात नियंत्रक को भी

बिना वेतन के काम करना पड़ रहा है। परिवहन सचिव शॉन डफी ने कहा कि इन कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है और यदि यही स्थिति जारी रही तो कई लोग नौकरी छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि देश में पहले से ही लगभग 2,000 से 3,000 नियंत्रकों की कमी है। फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार दोपहर तक 2,530 से ज्यादा उड़ानें देरी से चल रही थीं और 60 से ज़्यादा रद्द कर दी गई थीं। दोपहर तक ढाई हज़ार से अधिक उड़ानें देर से चलीं और साठ से ज़्यादा रद्द करनी पड़ीं। मुख्य हवाई अड्डों पर इसका सबसे ज्यादा असर देखने के लिए मिला। हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच भी प्रभावित हुई है। लोगों को सिक्योरिटी लाइन में तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। इसी तरह कई अन्य बड़े शहरों के हवाई अड्डों में भी इंतजार का समय बढ़ गया है। रिपब्लिकन दल डेमोक्रेट पर गैरकानूनी प्रवासियों को स्वास्थ्य सुविधा देने की मांग करने का आरोप लगा रहा है, जिसे डेमोक्रेट्स गलत बता रहा है। डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि वे तो केवल अमेरिकी नागरिकों के लिए पहले से जारी स्वास्थ्य लाभ में की गई कटौती वापस करवाना चाहते हैं।

यूक्रेन बर्लिन और कोपेनहेगन में हथियार निर्यात कार्यालय खोलेगा, राष्ट्रपति जेलेंस्की का ऐलान

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने घोषणा की कि उनका देश इस वर्ष जर्मनी की राजधानी बर्लिन और डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में हथियारों के निर्यात और संयुक्त उत्पादन के लिए विशेष कार्यालय स्थापित करेगा। यह कदम यूक्रेन के तेजी से विकसित हो रहे रक्षा उद्योग को मज़बूत करने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है। जेलेंस्की ने कीव में पत्रकारों से कहा, 'यह (योजना) सह-उत्पादन और उन हथियारों के निर्यात से जुड़ी है, जिन्हें हम बेच सकते हैं। इससे हमें घरेलू स्तर पर उन रक्षा सामग्रियों के निर्माण के लिए धन मिलेगा, जिनकी अभी कमी है। ' रूस के साथ चल रहे युद्ध के चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुके यूक्रेन ने हाल के महीनों में अपने ड्रोन और मिसाइल कार्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रगति की है। हालांकि, देश अभी भी लड़ाकू विमानों और वायु रक्षा प्रणालियों जैसी उन्नत हथियार प्रणालियों के लिए पश्चिमी सहयोगियों पर निर्भर है। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन इस वर्ष के अंत तक अपने देश में विकसित दो नई मिसाइल प्रणालियों – 'फ्लेमिंगो' और 'रूता' – का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू करेगा। साथ ही, उसने कहा कि 'नौसैनिक ड्रोन और तोपखाने प्रणालियां' वे हथियार होंगे, जिन्हें निर्यात के लिए अनुमोदित किया जाएगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने यह भी

जानकारी दी कि एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह वाशिंगटन का दौरा करेगा। वहां अमेरिकी प्रशासन के साथ ड्रोन निर्माण और सहयोग समझौते पर चर्चा की जाएगी। जेलेंस्की ने उम्मीद जताई कि यह समझौता ट्रंप प्रशासन के साथ यूक्रेन के रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करेगा।

सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के विपरीत 11 देशों के राजदूतों को तीन दिन में नेपाल लौटने का निर्देश

एजेंसी

काठमांडू। विदेश मंत्रालय ने 11 विभिन्न देशों में कार्यरत नेपाली राजदूतों को तीन दिन के भीतर मंत्रालय में उपस्थित होने का निर्देश देते हुए पत्र जारी किया है। यह पत्र सुप्रीम कोर्ट द्वारा सरकार के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने के अगले दिन भेजा गया है। मंत्रालय ने पहले ही वापस बुलाए गए इन राजदूतों को दोबारा पत्राचार करते हुए 6 नवंबर तक मंत्रालय में संपर्क करने का आदेश दिया। विदेश मंत्रालय का कार्यभार संभालने वाली प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कैबिनेट की बैठक में यह भी निर्णय लिया कि सरकार द्वारा वापस बुलाए गए राजदूतों को अपने पहले से जारी हवाई टिकट का उपयोग करते हुए नेपाल लौटना होगा। गौरतलब है कि इससे पहले सरकार ने 11 देशों में कार्यरत नेपाली राजदूतों को वापस बुलाने का निर्णय लिया था। हालांकि, रविवार को ही सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार के इस फैसले के कार्यान्वयन पर अस्थायी रोक लगाते हुए एक अंतरिम आदेश जारी किया था। यह आदेश अधिवक्ता प्रतिभा उप्रेती और अनंतराज लुइँटेल द्वारा दायर रिट पर न्यायाधीश सारंगा सुवेदी और श्रीकांत पौडेल की संयुक्त पीठ ने जारी किया था। अदालत के इस आदेश के बावजूद सरकार ने संबंधित राजदूतों को विदेश में न रहते हुए मंत्रालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। सरकार द्वारा वापस बुलाए गए राजदूतों में शामिल।

भारतीय राजदूत ने अमेरिकी सीनेटर से की मुलाकात, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर चर्चा

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने रिपब्लिकन सीनेटर माइक राउंड्स से मुलाकात कर भारत और अमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार में सहयोग पर चर्चा की। 'एक्स' पर एक पोस्ट में, राजदूत क्वात्रा ने इस बैठक को बेहद सकारात्मक बताया। क्वात्रा ने आगे कहा, 'भारत और अमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग बढ़ाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उत्पादक आदान-प्रदान के लिए एक रोडमैप विकसित करने पर उपयोगी बातचीत हुई। साथ ही, व्यापार और भारत द्वारा अमेरिका से हाइड्रोकार्बन की बढ़ती खरीद पर हमारे वर्तमान द्विपक्षीय सहयोग से भी उन्हें अवगत कराया। ' ऊर्जा सहयोग भारत-अमेरिका साझेदारी का एक प्रमुख घटक बन गया है और भारत अब अमेरिकी कच्चे तेल और लिक्विड प्राकृतिक गैस की खरीद में तेजी ला रहा है।

दक्षिण डकोटा का प्रतिनिधित्व करने वाले रिपब्लिकन सीनेटर राउंड्स, साइबर सुरक्षा पर सीनेट सशस्त्र सेवा उपसमिति के अध्यक्ष और सीनेट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉकस के सह-अध्यक्ष हैं। वे नवाचार को बढ़ावा देने और उभरती प्रौद्योगिकियों में अमेरिकी नेतृत्व को मजबूत करने के उद्देश्य से विधायी पहलों में शामिल रहे हैं।

राउंड्स के साथ राजदूत क्वात्रा की बैठक उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए अमेरिकी सांसदों और अधिकारियों के साथ उनके निरंतर संवादों की श्रृंखला का हिस्सा है। हाल के महीनों में, भारतीय राजदूत ने नवाचार,

व्यापार और स्वच्छ ऊर्जा में साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित कई बैठकें की हैं। पिछले महीने, उन्होंने वाशिंगटन में विश्व बैंक और अन्य थिंक टैंकों सहित कई दीपावली कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। 24 अक्टूबर को, भारतीय राजदूत ने थिंक टैंक यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम द्वारा आयोजित दीपावली समारोह में हिस्सा लिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष सहायक और व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के दक्षिण एवं मध्य एशिया के वरिष्ठ निदेशक रिकी गिल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

क्वात्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'अमेरिकी सरकार, व्यापार, थिंक-टैंक और मीडिया सहित विभिन्न क्षेत्रों के भारत के मित्रों के साथ त्योहारों का जश्न मनाने के लिए अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच द्वारा आयोजित दीपावली रिसेप्शन में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। ' पिछले महीने भारतीय राजदूत व्हाइट हाउस में एक विशेष दीपावली समारोह में शामिल हुए थे, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लोगों को शुभकामनाएं दीं थी। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में दीया जलाया और इसे अंधकार पर प्रकाश की विजय में विश्वास का प्रतीक बताया। भारतीय राजदूत ने दीपावली के त्योहार को सेलिब्रेट करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा, 'आप इस उत्सव के माध्यम से विविधता की ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए, यह वास्तव में एक बड़ा सम्मान है। अपने प्रधानमंत्री और अपनी ओर से, मैं आपको और आपके प्रियजनों को, विशेष रूप से अमेरिका में 50 लाख से अधिक प्रवासी भारतीयों को दीपावली की शुभकामनाएं देता हूं। '

खबर संक्षेप

पीडब्ल्यूसी इंडिया फाउंडेशन और युवा अनस्टॉपेबल ने जम्मू-कश्मीर में आवासीय ढांचे और आजीविका पुनर्स्थापन पहल का समर्थन किया

जम्मू, 4 नवंबर। पीडब्ल्यूसी इंडिया फाउंडेशन ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा क्षेत्र में एक नई पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य समुदायों को सशक्त बनाना है। यह पहल आवासीय ढांचे के पुनर्निर्माण और आजीविका पुनर्स्थापन पर केंद्रित है और इसे युवाअनस्टॉपेबल के सहयोग से लागू किया जा रहा है। युवाअनस्टॉपेबल एक युवाओं द्वारा संचालित गैर-सरकारी संगठन है जो वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए कार्यरत है — और यही उद्देश्य पीडब्ल्यूसी इंडिया फाउंडेशन के मिशन से गहराई से जुड़ा हुआ है। इस सहयोग के तहत राजौरी जिले के 50 से अधिक परिवारों को मदद प्रदान की जा रही है। इन परिवारों को न केवल घरों की मरम्मत के लिए आवश्यक संसाधन दिए जा रहे हैं

बल्कि उन्हें पशुधन भी दिया जा रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिरता बहाल हो सके और लंबी अवधि के आजीविका के अवसर सुनिश्चित किए जा सकें।पीडब्ल्यूसी इंडिया फाउंडेशन के उपाध्यक्ष जयवीर सिंह और युवाअनस्टॉपेबल के संस्थापक एवं चीफ इंस्पिरेशन ऑफिसर अमिताभ शाह ने हाल ही में इस कार्यक्रम स्थल का दौरा किया, जो कार्यक्रम की प्रगति का एक महत्वपूर्ण चरण दर्शाता है।जयवीर सिंह ने कहा- जम्मू-कश्मीर में युवाअनस्टॉपेबल के साथ हमारी यह पहल तत्काल और सतत राहत प्रदान करने का प्रयास है, जो उन वंचित समुदायों की सेवा के हमारे व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है, जहां निजी क्षेत्र की सीएसआर निधि की पहुंच सीमित रही है। संरचनात्मक रूप से क्षतिग्रस्त घरों और खोई हुई आजीविका पर ध्यान केंद्रित करके हम उन लोगों तक जरूरी सहायता पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।अमिताभ शाह ने कहा पीडब्ल्यूसी इंडिया फाउंडेशन के साथ सहयोग हमें अपनी पहुंच बढ़ाने और जरूरतमंद समुदायों तक सहायता पहुंचाने का अवसर प्रदान करता है। हमारे प्रयास आवास से जुड़ी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ पशुधन प्रदान कर आय के स्रोतों को पुनर्जीवित करने में सहायक हैं, जिससे परिवार आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ सकें।卐यह सहयोग दोनों संस्थाओं की विशेषज्ञताओं को एकजुट करता है — पीडब्ल्यूसी इंडिया फाउंडेशन का उच्च गुणवत्ता वाले सामाजिक प्रभाव पर ध्यान और युवाअनस्टॉपेबल की जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन क्षमता।

कृषि का मशीनीकरण

आधुनिक कृषि प्रणाली ने समूचे देश में अनाज के उत्पादन की वृद्धि में भारी योगदान दिया है। आधुनिक कृषि प्रणाली के प्रयोग से देश अनाज के उत्पादन में पर्याप्तता प्राप्त कर सकता है। कृषि कार्य में उपयोगी आधुनिक विधियाँ हैं

हरित क्रांति क्या है

'हरित क्रांति' शब्द का अर्थ है नए पौधों की किस्मों के विकास द्वारा उत्पादन को कई गुना बढ़ाने के उपाय। उच्च उत्पादन वाली धान व गेहूँ की किस्में हरित क्रांति के मुख्य तत्व रहे हैं। मार्च 1968 में अमेरिकी अन्तरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के संचालक विलियम गैंड ने पहली बार "हरित क्रांति" शब्दों का प्रयोग किया था। इस शब्द का प्रयोग नई तकनीकों द्वारा चावल, गैहूँ, मक्के और अन्य पौधों की कई गुना विकसित हुई उत्पादकता के संदर्भ में किया गया था। हालाँकि 'हरित क्रांति' नामक शब्दों का प्रयोग मुख्यत: गेहूँ और धान के संदर्भ में किया जाता है, परन्तु कुछ कृषि विशेषज्ञों ने मक्का, सोयाबीन व गन्ने जैसे उन अन्य अनाजों को भी इस श्रेणी में शामिल किया है, जिनके उत्पादन में, नई तकनीकों के प्रयोगों द्वारा, कई गुणा वृद्धि हुई है।

जिनके द्वारा हरित क्रांति संभव हुई है, वे इस प्रकार है

– फसलों के उच्च उत्पादकता वाले पौधों का प्रवेशन।

– बहु-कृषि (सम्मिलित रूप से पौधे उगाने की प्रक्रिया), बेहतर सिंचाई व पर्याप्त मात्रा में खादों की आपूर्ति।

– बीमारियों व कीटाणुओं के विरुद्ध पौधों के संरक्षण की विधियों का प्रयोग।

– वैज्ञानिक कृषि की तकनीकों का अनुसंधान व उनका खेतों से ग्रामीण कृषकों तक स्थानान्तरण।

– खेतों से बाजार तक फसल के यातायात की बेहतर व्यवस्था करना।

आधुनिक तकनीकों के प्रयोग द्वारा पौधों (विशेषकर अनाज) के उत्पादन में महत्त्वपूर्ण वृद्धि को हरित क्रांति नाम दिया गया है। उदाहरण के लिये, जब एक मेक्सिकन गेहूँ की किस्म (ऊँची उत्पादकता एवं अच्छी तरह सिंचाई किए हुए) का उतने ही अच्छे स्तर की भारत गेहूँ की किस्म (रोग की प्रतिरोधक क्षमता एवं अच्छी गुणवत्ता वाला अनाज) से आधुनिक तकनीक द्वारा संकरण किया गया तब एक उच्च उत्पादकता वाले और बीमारी से लड़ने में सक्षम गेहूँ की किस्म की उत्पत्ति हुई। कुछ मुख्य 'क्रांतिकारी' किस्मों के नाम हैं- 'कल्याण सोना', 'सोनालिका', और 'शर्बती सोनोरा' इत्यादि।

भारत में उच्च उत्पादन की किस्मों के प्रयोग का आरम्भ

कृषि के क्षेत्र में विकसित देशों के मुकाबले, हमारी औसत राष्ट्रीय उत्पादकता की दर केवल 800 किलो प्रति हेक्टेयर के स्तर की ही थी, जो कि विकसित देशों की तुलना में बहुत कम थी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्राक्तन डायरेक्टर जनरल एम एस स्वामीनाथन ने पौधों की उत्पादकता के ठहराव व पौधों के उत्पादन की अस्थिरता का गहरा विश्लेषण किया तथा उन कारणों की तह तक पहुँचने की कोशिश की, जिनके कारणवश यह स्थिति विद्यमान थी। उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि उस समय प्रयोग में आने वाली लम्बी किस्मों की शारीरिक बनावट ही अधिक उत्पादन के मार्ग में एक बाधा सिद्ध हो रही थी। उन्होंने उक्त पौधों की किस्मों की उत्पत्ति की प्रक्रिया की ही जननिक कार्यशैलियों के पुन: निर्देशन पर जोर दिया।

सन 1970-80 के दशक के दौरान, गेहूँ की जननिक प्रक्रियाओं के माध्यम से नए किस्म के बीजों वाले, उच्च उत्पादकता के छोटे आकार के गेहूँ की किस्मों का विकास किया गया। इसी दौरान कुछ महत्त्वपूर्ण किस्में, 'कल्याण सोना', 'शर्बती सोनारा', 'सोनालिका' जैसी ऊँची उत्पादकता की किस्मों का विकास हुआ जिन्होंने खादों और सिंचाई की ओर अच्छा रुख अपनाया।

भारतीय जननिक वैज्ञानिकों के अनुरोध पर, सन 1963 में भारत सरकार ने मैक्सिको देश से प्रोफेसर नॉर्मन-ई-बोरलौग को आमंत्रित किया ताकि पौधों की बौनी (कम आकार) किस्मों के उत्पादन की संभावनाओं का वे भारत वर्ष में मूल्यांकन करें। भारत के कई क्षेत्रों का दौरा करने के पश्चात, उन्होंने भारत में मैक्सिकी उद्भव के ही छोटे आकार के गेहूँ की किस्मों को बोने का प्रस्ताव रखा। वे इस निष्कर्ष पर इस कारणवश पहुँचे क्योंकि मैक्सिको का मौसम व भूमि दोनों तुलनात्मक रूप से एक समान थीं। उनके सुझाव पर, लेरमा-राजो व सोनोरा-64 नामक दो किस्मों का चयन किया गया और उन्हें हमारे सींचे गए खेतों में बोने के लिये प्रयुक्त किया गया। इन किस्मों के प्रयोग से गेहूँ की उत्पादकता कई गुना बढ़ गयी और हमारे गेहूँ के निर्यात में क्रांति आ गई।

डॉ. बोरलॉग, मैक्सिको सरकार तथा रॉकफेलर फाउंडेशन की सहकारी योजना के अन्तर्गत गेहूँ अनुसंधान व विकास कार्यक्रम के मुखिया के रूप में जुड़े। सन 1966 में उनकी गेहूँ के विकास की गुपचुप क्रांति ने संसार भर का ध्यान आकर्षित किया तथा मैक्सिको में

ह ी

'अन्तरराष्ट्रीय गेहूँ व मक्के के विकास का केन्द्र' स्थापित किया गया। सन 1970 में उन्हें 'हरित क्रांति' लाने के लिये नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी हरित क्रांति ने भारत की इतनी मदद की थी।

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन एक बेहतरीन उत्परिवर्तन जननिक वैज्ञानिक रहे हैं। इन्होंने सन 1967 में उगाने के लिये 'शर्बती सोनारा' नामक किस्म को निर्मित किया। उत्परिवर्तन जनन के कार्यक्रम में सोनारा 64 को अल्ट्रावायलेट किरणों से पारित करके उन्होंने इस 'किस्म' का निर्माण किया।

कार्बनिक खाद

कार्बनिक खाद, पौधों और पशुओं द्वारा छोड़े गए अपशिष्ट पदार्थों पर सूक्ष्म जीवों द्वारा की गई जैविक प्रक्रिया से उत्पन्न हो जाती है। इसको खाद या कम्पोस्ट भी कहा जाता है। ये मवेशियों के गोबर, अन्य किस्म के पशुओं द्वारा छोड़े गए अपशिष्ट तथा भूमि पर गिरे हुए पत्तों, टहनियों, इत्यादि पर सूक्ष्मजीवों की प्रक्रिया के उपरांत उत्पन्न होती हैं। कार्बनिक खाद पर्यावरण भूमि और जल को किसी प्रकार से प्रदूषित नहीं करती। प्राकृतिक खाद भूमि को पोषक तत्वों से परिपूर्ण करती है तथा मृदा की संरचना, भूमि के गुणों की उन्नति व भूमि के जल को बांधने की क्षमता में विकास करती है।

कीटाणुनाशक/पीड़कनाशक

कीटाणुनाशक वे रासायनिक पदार्थ हैं जिनका उन जीवों को मारने व नियंत्रित करने के लिये विकास किया गया है जो कृषि के लिये हानिकारक सिद्ध होते हैं।

आधुनिक कीटाणुनाशक खाद्यान्नों की आपूर्ति में वृद्धि करते हैं, कृषकों के मुनाफे की वृद्धि करते हैं और सही प्रयोग करने पर सुरक्षा भी प्रदान करते हैं।

कीटाणुनाशक न केवल अधिकतर कीटाणुओं का जल्द ही नियंत्रण कर लेते हैं, बल्कि लम्बे समय तक प्रयोग-योग्य रहते हैं। इसके अतिरिक्त इनका यातायात और लागूकरण सरल है। यदि पौधों की ओर से जननिक विरोध होता है, तब कृषक या तो इन दवाओं को अधिक खुराक में प्रयुक्त कर सकते हैं, अथवा अन्य कीटनाशकों का प्रयोग कर सकते हैं। नियंत्रित रूप से प्रयोग की स्थिति में, ये कीटनाशक कृषक, श्रमिक या उपभोक्ताओं के लिये किसी भी तरह से हानिकारक नहीं है। दिल्लीवासियों के शरीर के ऊतकों में डीडीटी (क्लोरीन युक्त हाइड्रोकार्बन) का स्तर विश्व में सबसे ऊँचा है।

अधिक गुणवत्ता के बीजों के प्रयोग की आवश्यकता

सीमित भूमि क्षेत्र में अधिक उत्पादन के लिये उत्तम स्तर के बीजों का प्रयोग अतिआवश्यक हैं। जननिक विज्ञान के माध्यम से बीजों की गुणवत्ता में विकास अब एक आम बात हो गई है। जैविक तकनीक के ज्ञान के उपयोग से, अब बेहतर स्तर के बीजों का उत्पादन हो रहा है।

बीजों की गुणवत्ता का विकास निम्नलिखित निर्माण के लिये हो रहा है-

– उच्च उत्पादकता वाली किस्मों का निर्माण।

– बेहतर स्तर के पोषक तत्वों से युक्त बीजों के निर्माण में जिनमें दालों में प्रोटीन की गुणवत्ता, गेहूँ के बेहतर पकने की गुणवत्ता, फलों और सब्जियों की संरक्षण की गुणवत्ता तथा तेल का निर्माण करने वाले पौधों की अधिक गुणवत्ता व मात्रा सम्मिलित हैं।-

कुछ ऐसी किस्मों का निर्माण जो कि बीमारियों व पीड़कों, दोनों का मुकाबला कर सके।- ऐसी किस्मों का निर्माण जो कि गर्मी, सर्दी, खारेपन, बर्फ, सूखे इत्यादि से जूझने में सक्षम हों।

रोग प्रतिरोधक एवं पीड़क प्रतिरोधक क्षमता वाले जीवों को अधिक कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती- इससे न केवल पर्यावरण के प्रदूषण से बचाव होता है, कीटनाशकों की खरीददारी में जो पैसा खर्च होता है, उसे भी रोका जा सकता है।

पौधों को विभिन्न प्रकार की कठिनाई-युक्त स्थितियों में भी उगाया जा सकता है। इससे जोताई (बुवाई) के क्षेत्र का फैलाव होता है। उदाहरणत: सूखे, खारे या जलीय क्षेत्रों की जोताई के लिये इन किस्मों का प्रयोग किया जा सकता है।

प्रदेश की 21 चीनी मिलों ने शुरू किया गन्ना पेराई कार्य

लखनऊ, 4 नवम्बर। योगी सरकार द्वारा हाल ही में गन्ना किसानों को दिए गए तोहफे के बाद वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 का कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

प्रदेश की 53 चीनी मिलों ने गन्ना खरीद हेतु इण्डेन्ट जारी कर दिया है। वहीं प्रदेश की 21 चीनी मिलों में पेराई कार्य प्रारंभ हो चुका है। गौरतलब है कि योगी सरकार ने हाल ही में इस पेराई सत्र में गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति कुंतल की ऐतिहासिक वृद्धि की है।

गन्ना आयुक्त मिनिस्ती एस. ने बताया कि प्रदेश की 21 चीनी मिलों में पेराई कार्य प्रारम्भ हो चुका है, जिनमें सहकारी क्षेत्र की 01, निजी क्षेत्र की 20 चीनी मिलें शामिल हैं। प्रदेश की संचालित चीनी मिलों में सहारनपुर परिक्षेत्र की 05 चीनी मिलें, मेरठ परिक्षेत्र की 08, मुरादाबाद परिक्षेत्र की 02, लखनऊ परिक्षेत्र की 06 चीनी मिलों ने पेराई कार्य प्रारम्भ कर दिया है। इसके अतिरिक्त प्रदेश की अन्य 32 चीनी मिलों द्वारा पेराई कार्य शुरू करने की समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर गन्ना खरीद हेतु इण्डेंट जारी कर दिया है। इन चीनी मिलों का संचालन भी अगले कुछ दिनों में शुरू हो जाएगा। अवशेष 69 चीनी मिलें भी शीघ्र ही संचालित हो जाएगी।

गन्ना आयुक्त ने बताया कि वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 के देय गन्ना मूल्य का नियमानुसार त्वरित भुगतान करने के लिए चीनी मिलों को निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं, जिस क्रम में मिलों द्वारा वर्तमान पेराई सत्र के देय गन्ना मूल्य का भुगतान भी शुरू कर दिया गया है। चीनी मिलों के समय से संचालन से गेहूं बुवाई के लिए खेत खाली होने से किसानों को सुगमता होगी।

सबसे अधिक राजस्व मामले निस्तारित कर लखनऊ अव्वल, जनपदीय न्यायालयों में जौनपुर ने फिर मारी बाजी

लखनऊ, 4 नवंबर। प्रदेश में राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त मॉनीटरिंग का असर साफ नजर आ रहा है। सीएम योगी खुद हर माह जिलावार मामलों की समीक्षा भी करते रहते हैं। योगी सरकार की विशेष पहल के तहत तेजी से मामलों के निपटारे की रणनीति को अपनाया गया, जिससे राजस्व विवादों के मामलों में बड़ा सुधार देखने को मिला है। इसी का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश भर में राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी देखी गयी है। राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) द्वारा अक्टूबर माह की जारी रिपोर्ट में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक राजधानी में मामलों को निस्तारित किया गया है जबकि जनपद स्तरीय न्यायालय में राजस्व के मामले निपटाने में एक बार फिर जौनपुर ने बाजी मारी है। बता दें कि जनपद स्तरीय न्यायालयों में राजस्व वादों के निस्तारण में पिछले 13 माह से जौनपुर टॉप फाइल जिलों में बना हुआ है।

राजधानी में सबसे अधिक कुल 15,260 मामले निस्तारित किये गय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि राजस्व विवादों के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए। उनकी इस पहल का उद्देश्य न केवल जनता को त्वरित न्याय दिलाना है, बल्कि प्रशासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को भी बढ़ावा देना है। इसी के तहत प्रदेश के जिलाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी पूरी तत्परता से मामलों का निस्तारण कर रहे हैं। राजस्व परिषद की आरसीसीएमएस की अक्टूबर माह की रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर में पूरे प्रदेश में कुल 3,24,897 राजस्व मामलों का निस्तारण किया गया। लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने बताया कि सबसे अधिक राजधानी लखनऊ में 15,260 मामले निस्तारित किये गये, जो पूरे प्रदेश में सबसे अधिक हैं। इसके बाद प्रयागराज में कुल 10,501 मामलों को निस्तारित कर पूरे प्रदेश में दूसरा, गोरखपुर 8,165 मामलों को निस्तारित कर तीसरे स्थान पर है। इसी तरह कानपुर नगर ने 7,866 मामले निस्तारित कर चौथा और शाहजहांपुर ने 7,707 मामलों का निस्तारण कर पांचवां स्थान प्राप्त किया है। जनपद स्तरीय न्यायालयों में जौनपुर ने मारी बाजी, सबसे अधिक 480 मामले किये निस्तारित जौनपुर डीएम डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुसार राजस्व मामलों को निस्तारित किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ रेवन्यू की अक्टूबर माह की राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की रिपोर्ट के अनुसार जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के निर्धारित मानक निस्तारण से अधिक मामलों का निस्तारण किया है। जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के प्रति माह निस्तारण के मानक 250 के सापेक्ष 480 मामलों का निस्तारण किया है। इसका रेश्यो 192 प्रतिशत है। इसी के साथ जनपदीय न्यायायल में राजस्व मामलों के निस्तारण में प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि मानक 300 के सापेक्ष 334 मामलों का निस्तारण कर दूसरे स्थान पर लखीमपुर खीरी और मानक 300 के सापेक्ष 310 मामले निस्तारित कर तीसरे स्थान पर बस्ती है। इसी तरह अक्टूबर में जौनपुर के जिलाधिकारी न्यायालय ने निर्धारित 30 मामलों के मानक के मुकाबले 71 मामलों का निस्तारण कर 236.67 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की, जो की प्रदेश भर में सबसे अधिक है और जौनपुर प्रदेश भर में पहले स्थान पर है। वहीं भदोही के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 63 मामले निस्तारित किये गये। वहीं, मऊ के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 51 मामले निस्तारित किये गये। इसी तरह जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा निस्तारित किये गये मामलों में भदोही दूसरे और मऊ तीसरे स्थान पर है।

पुलिस ने अवैध खनन के आरोप में 04 डंपरों सहित 11 वाहन किए ज़ब्त

सांबा, 4 नवंबर (हि.स.)। अवैध खनन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने सांबा और घगवाल पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में चार (04) डंपरों सहित ग्यारह (11) वाहन ज़ब्त किए हैं जिनका इस्तेमाल निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन/खनन के लिए किया जा रहा था। एसएचओ थाना सांबा, एसएचओ थाना घगवाल, थाना सांबा की पुलिस चौकियों सुपवाल, रख अंब तल्ली, गोरां और मानसर के प्रभारी और थाना घगवाल की पुलिस चौकी राजपुरा के प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए पंजीकरण संख्या जेके21जी-7817, जेके02बीएफ-1931, जेके08एफ-1273, जेके19-6026 वाले चार डंपर, पंजीकरण संख्या जेके21डी-3815, जेके21जे-0863 वाले दो ट्रैक्टर ट्रॉली और बिना पंजीकरण संख्या वाली पांच ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की हैं जिनका इस्तेमाल क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन/खनन के लिए किया जा रहा था।